CNews सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-81
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

दुख और वेदना के अथाह सागर वाले इस संसार में प्रेम की अत्यधिक आवश्यकता है।
- डॉ. रामकुमार वर्मा

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

इंदौर, बुधवार, 26 जून 2024

सिंगल कॉलम

नृपेंद्र मिश्र बोले दूसरा तल बनने के बाद नहीं टपकेगी राम मंदिर की छत

अयोध्या। राम मंदिर निर्माण समिति की बैठक के बाद समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने कहा कि दिसंबर तक राम मंदिर का निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा। उन्होंने बरसात में राम मंदिर की छत टपकने के सवाल पर कहा कि हमने खुद ही गर्भगृह का निरीक्षण किया है। गुढी मंडप का काम अभी पूर्ण नहीं हुआ है। जब द्वितीय तल का काम पूरा होगा तो पानी आने की कोई गुंजाइश नहीं रह जाएगी। उन्होंने बताया कि छत पर सुरक्षा की लेयर बनाई जा रही है। लोगों में एक भ्रम पैदा कर दिया गया है कि गर्भगृह में पानी भर गया है। ऐसा कुछ नहीं है। प्रथम तल पर बिजली के तार डाले जा रहे हैं उसके लिए पाइप लगाई गई है। कुछ पाइप खुली पड़ी है। अभी पाइप से होकर बारिश का पानी नीचे तक पहुंचा है। निर्माण कार्य में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं है। उच्चतम स्तर का निर्माण कराया जा रहा है। दो बार सीबीआरआई रुड़की के इंजीनियर अयोध्या के निर्माण कार्य को देखते हैं और इसका प्रमाण पत्र देते हैं कि निर्माण कार्य पूरी तरीके से सुरक्षित है। जल निकासी की व्यवस्था न होने के सवाल पर कहा कि गर्भगृह में राम मंदिर में सभी को जल चढ़ाने की अनुमति नहीं है। मंडप में पानी निकालने के लिए एक परनाला भी बनाया गया है। सभी मंडप इस प्रकार बनाए गए हैं कि पानी नेचुरल रूप से ड्रेन होकर परनाले से निकल जाए। गर्भगृह में रामलला के स्नान के बाद आए जल को कुंड में सुरक्षित रखा जाता है।

प्रज्जवल रेवन्ना के खिलाफ दर्ज हुई एक और एफआईआर

बेंगुलुरु। कई महिलाओं के यौन शोषण और दुष्कर्म के आरोपों में घिरे जनता दल सेक्युलर (जेडी-एस) के पूर्व सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। दरअसल उन पर एक और एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि यह एफआईएआर यौन शोषण और आपराधिक धमकी देने को लेकर की गई है। एफआईआर में कुल मिलाकर तीन लोगों के नाम शामिल हैं। इनमें हासन से भारतीय जनता पार्टी के पूर्व विधायक प्रीतम गौड़ा का नाम भी शामिल है। गौड़ा पर प्रज्ज्वल द्वारा पीड़िता के यौन शोषण के दौरान खींची गई तस्वीरों को साझा करने का आरोप है। इस नई एफआईआर के साथ प्रज्ज्वल पर अब तक कुल चार मामले दर्ज हो गए हैं। पुलिस सूत्रों ने कहा ह्यप्रज्ज्वल के खिलाफ विशेष जांच दल (एसआईटी) ने एक नया मामला दर्ज किया गया है। एफआईआर में पूर्व भाजपा विधायक प्रीतम गौड़ा का नाम भी शामिल है। भारतीय दंड संहिता की धारा 355 ए (यौन उत्पीड़न), 354 बी (गलत इरादे से महिला पर हमला), 354 डी (पीछा करना), 506 (आपराधिक धमकी) और 66 ई के तहत मामला दर्ज किया गया है।पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के पोते प्रज्ज्वल को लोकसभा चुनाव में हार का सामना भी करना पड़ा है। हासन लोकसभा सीट पर मतदान संपन्न होने के अगले दिन यानी 27 अप्रैल को प्रज्ज्वल जर्मनी चले गए थे। इसके बाद जब वे 31 मई को भारत लौटे तो एसआईटी ने उन्हें एयपोर्ट पर ही गिरफ्तार कर लिया था।

शेयर बाजार में तगड़ा बुल रन, सेंसेक्स पहली बार 78 हजार से पार

नई दिल्ली। बैंकिंग और आईटी सेक्टर में आई तेजी के कारण घरेलू शेयर बाजार ने मंगलवार को एक बार फिर मजबूती का नया रिकॉर्ड बना दिया। सेंसेक्स पहली बार 78 हजार अंक के स्तर को पार करने में सफल रहा। इसी तरह निफ्टी ने भी पहली बार 23,750 अंक के ऊपर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। आज के कारोबार की शुरूआत भी मजबूती के साथ हुई थी। दिन के पहले सत्र में शेयर बाजार की चाल में उतार-चढ़ाव बना रहा, लेकिन दोपहर 12 बजे के बाद खरीदारी के सपोर्ट से शेयर बाजार ने तेज रफ्तार पकड़ ली। आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने अभी तक के सर्वोच्च स्तर तक पहुंचने में भी कामयाबी हासिल की। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.92 प्रतिशत और निफ्टी 0.78 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। कारोबार के दौरान आईटी, फाइनेंशियल सर्विसेज और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में लगातार तेजी बनी रही। दूसरी ओर पावर, यूटिलिटी, एफएमसीजी, ऑटोमोबाइल और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, मेटल और रियल्टी इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.26 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.03 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

कैबिनेट बैठकः मोहन यादव सरकार का बड़ा फैसला, 52 साल पुराना नियम बदला

अब सीएम और मंत्री अपनी जेब से भरेंगे इनकम टैक्स

भोपाल। मध्यप्रदेश की डॉ. मोहन यादव सरकार ने 52 साल पुराना नियम बदल दिया है। अब राज्य के मुख्यमंत्री और मंत्रियों को अपनी आय पर आयकर अपनी जेब से चुकाना होगा। इसमें अब तक सरकारी खजाने से जो मदद मिलती थी, वह आगे नहीं मिल सकेगी। यानी जनता की जेब से टैक्स वसूलकर मंत्रियों का टैक्स चुकाने के नियम को खत्म कर दिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में कैबिनेट की बैठक हुई। इसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ही कैबिनेट के सामने मुख्यमंत्री और मंत्रियों के वेतन-भत्तों पर लगने वाले आयकर को राज्य सरकार के खजाने से भरने के नियम को बदलने का प्रस्ताव किया। मंत्रियों ने मेज थपथपाकर इस प्रस्ताव को स्वीकार किया और मंजूरी दी। इस प्रस्ताव के पारित होने के बाद अब मुख्यमंत्री और मंत्री को मिलने वाले वेतन और भत्तों पर लगने वाले आयकर को उन्हें ही अपनी जेब से भरना होगा।

अभी तक 1972 में बना नियम लागू था

इससे पहले 1972 में बना नियम लागू था। इसके तहत मुख्यमंत्री और मंत्रियों को मिलने वाले वेतन-भत्तों पर टैक्स राज्य सरकार के खजाने से चुकाया जाता था। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कैबिनेट बैठक के बाद कहा कि हमने निर्णय किया है कि हमारे मंत्रीगण अपना स्वयं का आयकर चुकाएंगे। इसके लिए वे शासन से कोई वित्तीय सहायता नहीं लेंगे। इस दृष्टि से 1972 के नियम में बदलाव किया जा रहा है। मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री का वेतन और भत्ते करीब दो लाख रुपए है। कैबिनेट मंत्रियों को 1.70 लाख रुपये के वेतन-भत्तों के रूप में मिलते हैं। राज्य मंत्रियों को 1.45 लाख रुपये प्रति माह और विधायकों को 1.10 लाख रुपये प्रतिमाह वेतन मिलता है। इसमें बेसिक, सत्कार भत्ता, निर्वाचन क्षेत्र भत्ता और दैनिक भत्ता शामिल है। मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष, नेता प्रतिपक्ष, मंत्री, विधानसभा उपाध्यक्ष और राज्यमंत्री का आयकर जमा करने के लिए बजट में एक करोड़ रुपए का प्रावधान है। इसमें कर योग्य राशि का आकलन करने के बाद संबंधित वेतन से टैक्स की कटौती के बाद यह राशि विभाग द्वारा अब तक लौटाई जाती थी।

मप्र में मंत्रियों की कुल संपत्ति 18.54 करोड़ रुपए

मध्यप्रदेश में मंत्रियों की संपत्ति 18.54 करोड़ रुपए है। इसके बावजूद सभी मंत्रियों को इनकम टैक्स राज्य सरकार की ओर से भरा जाता था। फिलहाल देशभर में मप्र सहित ऐसे 6 राज्य हैं, जिनमें राज्य सरकार की ओर से मंत्रियों का इनकम टैक्स भरा जाता है। इन राज्यों में मध्यप्रदेश के अलावा छत्तीसगढ़, हरियाणा, झारखंड, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना जैसे राज्य शामिल हैं।

शहीद के माता-पिता को मिलेगी 50% सहायता राशि

कैबिनेट ने एक अन्य निर्णय लिया है कि प्रदेश में सेना, केंद्रीय पुलिस और सुरक्षा बलों के साथ ही पुलिस के किसी जवान की शहीद पर दी जाने वाली सहायता राशि का पचास प्रतिशत पतनी या जीवनसाथी को दिया जाएगा। वहीं, बचा हुआ 50 प्रतिशत जवान के माता-पिता को दिया जाएगा। अब तक 100 प्रतिशत राशि जीवनसाथी को दी जाती थी। कैबिनेट के बाद फैसलों की जानकारी देते हुए मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि एक करोड़ रुपये की सहायता राशि दी जाती है। कुछ मामलों में देखने में आया है कि जवान की पत्नी को तो आर्थिक मदद मिल जाती थी लेकिन उसके माता-पिता तरस जाते थे। इसी वजह से यह नियम बदला गया है। इस फैसले पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कई मामलों में माता-पिता को कठिनाई आ रही थी, जिसे दूर करने की व्यवस्था की गई है।

कैबिनेट के अन्य बड़े फैसले

मध्यप्रदेश के सभी विकासखंडों में स्थापित मृदा परीक्षण प्रयोगशालाओं का संचालन कृषि स्नातक और कृषि क्षेत्र में काम करने वाली सहकारी समितियां करेंगी हर विकासखंड में 45-45 नमूनों की जांच के लिए राशि सरकार की ओर से दी जाएगी। इसके बाद संचालनकर्ता स्वयं मृदा परीक्षण करेंगे और राशि प्राप्त करेंगे। मध्य प्रदेश के ऐसे विद्यार्थी, जो अन्य राज्यों के सैनिक स्कूल में पढ़ते हैं, उन्हें भी छात्रवृत्ति दी जाएगी। रेलवे से जुड़ी परियोजनाओं के लिए मप्र में अब परिवहन के स्थान पर लोक निर्माण विभाग नोडल विभाग होगा और समन्वय का काम दिखेगा।

किरेन रिजिजू का विपक्ष से लोकसभा स्पीकर चुनाव न लड़ने की अपील

TMC देगी कांग्रेस कैंडिडेट को समर्थन

नई दिल्ली। मौजूदा संसद सत्र हंगामों से भरा हुआ है। पहले दिन जहां विपक्षी सांसद संविधान की प्रति लेकर सदन पहुंचे। वहीं, सत्र के दूसरे दिन भी सदन के अंदर जबरदस्त नारेबाजी हुई। लोकसभा स्पीकर पद के लिए भी पक्ष विपक्ष में ठन गई। कांग्रेस ने लोकसभा स्पीकर पद का समर्थन देने के लिए डिप्टी स्पीकर चुनने की शर्त रखी। बीजेपी ने इस शर्त को मानने से इनकार कर दिया। इससे विपक्ष बिफर गया। ह्ष्ठ के स्पीकर उम्मीदवार ओम बिरला के खिलाफ के. सुरेश को चुनाव मैदान में उतार दिया। आज संसद में लोकसभा स्पीकर पद के लिए वोटिंग होगी। सुबह 11 बजे से वोटिंग होगी। प्रोटेम स्पीकर सदन में मतदान कराएंगे। भाजपा और कांग्रेस दोनों ने अपने सांसदों को व्हीप भी जारी कर दिया है। पक्ष और विपक्ष दोनों ने ही अपने सांसदों को सदन में मौजूद रहने को कहा है। अब तक 7 सांसदों ने शपथ नहीं ली है। ऐसे सांसद लोकसभा स्पीकर पद के लिए होने वाली वोटिंग में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। वहीं, टीएमसी ने कांग्रेस के स्पीकर पद के कैंडिडेट के चयन पर नाराजगी जाहिर की है।

टीएमसी करेगी कांग्रेस कैंडिडेट का समर्थन

ममता बनर्जी की अगुवाई वाली टीमएसी पार्टी ने लोकसभा स्पीकर पद के लिए कांग्रेस के कैंडिडेट के सुरेश का समर्थन करने का ऐलान किया है। अभिषेक बनर्जी की अगुवाई में टीएमसी सांसदों की बैठक में इस बात का फैसला लिया गया। इससे पहले ममता बनर्जी ने कांग्रेस की ओर से लोकसभा स्पीकर पद के लिए मनमाने ढंग से के सुरेश का नाम तय करने पर नाराजगी जाहिर की है। टीएमसी संसदीय दल ने बुधवार सुबह इस पर चर्चा करने के लिए बैठक की। इधर टीएमसी सांसदों ने कहा है कि पार्टी के सांसद किसके पक्ष में वोटिंग करेंगे इसका फैसला पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी करेंगी।

राहुल गांधी और ममता बनर्जी की हुई बात

राहुल गांधी ने बुधवार की सुबह टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी से राहुल गांधी ने फोन पर बातचीत की। दोनों नेताओं के बीच करीब 20 मिनट तक बात हुई। टीएमसी ने अपने सभी सांसदों को सुबह 10.40 बजे पुराने संसद भवन पहुंचने के लिए कहा है। टीएमसी की बैठक अभिषेक बनर्जी की अगुवाई में हुई। इसमें पार्टी के सांसद सुदीप बंदोपाध्याय और कल्याण बनर्जी समेत कई और सांसद मौजूद रहे।

कांग्रेस ने टीडीपी और जेडीयू से की अपील

कांग्रेस के सांसद मनिकम टैगोर ने बुधवार की सुबह टीडीपी और जेडीयू के सांसदों से के सुरेश के पक्ष में वोट करने की अपील की। टैगोर ने कह कि के सुरेश दक्षिण भारत के एक दलित नेता हैं। वह आठ बार के सांसद हैं। मौजूदा समय में उन्हें समर्थन की जरूरत है। इसलिए सामाजिक न्याय के साथ आएं और सुरेश को वोट दें।

विपक्ष के पास नहीं है पर्याप्त संख्या बल

विपक्ष के पास पर्याप्त संख्या बल नहीं है, जिससे डिप्टी स्पीकर पद भी ह्ष्ठ के खाते में आना तय है। भाजपा इस पर विचार कर रही है कि वह डिप्टी स्पीकर नियुक्त ही न करे या किसी सहयोगी दल को यह पद दे दे। संसद सत्र के दूसरे दिन भी सांसदों को शपथ दिलाई गई। अब तक 535 (कुल 542) सदस्यों ने लोकसभा की सदस्यता ली है। 7 सांसद अब भी शपथ नहीं ले सके हैं, जिनमें कुछ जेल में हैं और कुछ अन्य कारणों से अनुपस्थित रहे। संसद सत्र के दौरान कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को लोकसभा में विपक्ष का नेता चुना गया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर इंडिया गठबंधन की बैठक के बाद यह घोषणा की गई। राहुल गांधी अपने 20 साल के राजनीतिक करियर में पहली बार कोई संवैधानिक पद संभालेंगे। वे इस पद पर रहने वाले गांधी परिवार के तीसरे सदस्य होंगे। इससे पहले उनके पिता राजीव गांधी और मां सोनिया गांधी भी इस पद पर रह चुके हैं।

एयर इंडिया पर भड़का यात्री- बैलगाड़ी ले लूंगा, आपकी फ्लाइट कभी नहीं

नई दिल्ली। एयर इंडिया विमान के काफी देर बाद उड़ान भरने से गुस्साया एक वीआईपी यात्री इतना भड़क गया कि उसने दो टूक शब्दों में कहा कि बैलगाड़ी ले लूंगा लेकिन आपकी एयरलाइन नहीं लूंगा। सोमवार रात मुझे सबक सिखाने के लिए आपका धन्यवाद। पुणे के राइटर और एक स्टार्टअप कंपनी के वाइस प्रेजिडेंट आदित्य कोंडावर ने सोशल मीडिया के जरिये बताया कि बेंगलुरु से पुणे जाने के लिए उन्हें एयरलाइन के कारण काफी कष्ट उठाना पड़ा। उन्होंने एयर लाइन की तुलना में बैलगाड़ी को ज्यादा बेहतर कहा। उनका आरोप था कि फ्लाइट करीब ढाई घंटे लेट चली। उड़ान के दौरान विमान से बदबू आ रही थी और सीट बहुत गंदी और दाग-धब्बों से भरी हुई थी। आदित्य कोंडावर के मुताबिक, उन्हें 24 जून को बेंगलुरु से पुणे के लिए एयर इंडिया की उड़ान के दौरान काफी परेशानी झेलनी पड़ी। आदित्य कोंडावर अपने साथ हुई घटना से कितने परेशान थे, उन्होंने अपनी यात्रा के अनुभव को सोशल मीडिया पर साझा किया। कोंडावर ने एक्स पर एयर इंडिया को संबोधित करते हुए अपने नोट में लिखा, सोमवार रात मुझे बहुत ही मूल्यवान सबक सिखाने के लिए धन्यवाद। अगली कुछ पंक्तियों में उन्होंने कहा, कभी नहीं और मैं इसे पूरी गंभीरता से कह रहा हूं। मैं अपने जीवन में कभी भी एयर इंडिया एक्सप्रेस या एयर इंडिया में सफर नहीं करूंगा। अगर जरूरत पड़ी तो मैं 100त्न अतिरिक्त भुगतान करके किसी और फ्लाइट को ले लूंगा। उन्होंने आगे कहा, बैलगाड़ी ले लूंगा, लेकिन आपकी एयरलाइन नहीं लूंगा। कोंडावर का कहना था कि उनकी उड़ान 24 जून रात 9.50 बजे के लिए फिक्स थी लेकिन, इसने लगभग 12.15 बजे टेक ऑफ की। आदित्य के मुताबिक, फ्लाइट में बदबू आ रही थी और सीटें बहुत गंदी और दाग-धब्बों से भरी थीं। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने जल्द ही उनकी परेशानी का जवाब दिया और समस्या को तुरंत ठीक करने का वादा किया। उन्होंने जवाब में कहा, हेलो आदित्य! हम आपकी उड़ान के दौरान व्यवधान के कारण हुई असुविधा के लिए माफी मांगते हैं। कृपया ध्यान दें कि उड़ान हमारे नियंत्रण से परे कारणों से विलंबित हुई थी। हम आपके द्वारा विमान में किए अनुभव के संबंध में उठाए गए मुद्दे पर गौर करेंगे और इसे तुरंत ठीक करेंगे।

मध्य प्रदेश में आंधी-बारिश का अलर्ट : इंदौर-भोपाल सहित 49 जिलों में पहुंचा मानसून, ग्वालियर-चंबल में आज हो सकती है धमाकेदार एंट्री

मध्यप्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में मानूसन एक्टिव है। मौसम विभाग ने बुधवार का 15 जिलों में आंधी बारिश का अलर्ट जारी किया है। मंगलवार को भी कई जिलों में आंधी-बारिश का दौर जारी रहा। अलगे तीन दिन मौसम ऐसा ही रहने की उम्मीद है। मौसम विज्ञान केंद्र भोपाल के वरिष्ठ वैज्ञानिक अरुण शर्मा ने बताया, अगले 3 दिन पूरे

मध्य प्रदेश में मौसम बदला रहेगा। कहीं, आंधी और तो कहीं गरज-चमक के साथ बारिश होगी। वेस्टर्न डिस्टरबेंस, साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन के चलते आंधी-बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम है।मौसम विभाग की मानें तो मध्य प्रदेश के 49 जिलों में मानूसन की एंट्री हो चुकी है। भिंड-मुरैना और ग्वालियर में भी बुधवार को मानसून पहुंच सकता है। मंगलवार को सिवनी, उमरिया, बैतूल, भोपाल, धार, खजुराहो, ग्वालियर, नर्मदापुरम, शिवपुरी, शाजापुर और आगर-मालवा में अच्छी बारिश हुई। मंगलवार रात धार, झाबुआ, अलीराजपुर, रतलाम, हरदा, मंदसौर, खंडवा, गुना, राजगढ़, रायसेन, सागर, सिंगरौली, नीमच, मुरैना, छिंदवाड़ा, बैतूल, नर्मदापुरम, भोपाल, अशोकनगर, शिवपुरी, विदिशा, सीहोर, शाजापुर, इंदौर, देवास, दमोह, सिवनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, डिंडोरी समेत अन्य जिलों में मौसम बदला रहा। कुछ जगह बारिश तो कुछ जगह आंधी चली। मंगलवार को निमाड़ी जिले का पृथ्वीपुर सबसे गर्म रहा। यहां तापमान 43.6 डिग्री दर्ज दर्ज किया गया। सीधी, सिंगरौली, नौगांव और बिजावर का साममान भी 40 डिग्री के पार रहा। धार में मंगलवार शाम को तेज बारिश हुई। इससे पहले दिनभर उमस रही।

सिंगल कॉलम

खराब मौसम के कारण इंदौर-दिल्ली फ्लाइट पांच घंटे हुई लेट

इंदौर। इंदौर से दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाली फ्लाइटों के लेट होने का सिलसिला थमने का नाम ही नहीं ले रहा। सोमवार रात 8 बजे इंदौर से दिल्ली जाने वाली एलाइंस एअर की फ्लाइट लगभग 5 घंटे की देरी से यानी 12.45 बजे इंदौर से रवाना हुई। फ्लाइट के लेट होने की वजह मौसम की खराबी व तकनीकी कारणों को बताया जा रहा है। वहीं पिछले दिनों इंदौर से दिल्ली की इंडिगो फ्लाइट 6 घंटे से ज्यादा देरी से इंदौर से रवाना हुई थी। इंदौर से दिल्ली जाने वाली फ्लाइट के साथ ही खराब मौसम के चलते सोमवार रात मुंबई से इंदौर आने वाली इंडिगो की फ्लाइट भी 3 घंटे देरी से इंदौर एयरपोर्ट पर आई। इसके अलावा दिल्ली से आने वाली एक अन्य फ्लाइट सहित आधा दर्जन उड़ानें भी प्रभावित हुईं। इंदौर से दिल्ली जाने फ्लाइट के यात्रियों ने बताया कि हम 60 यात्री समय पर एयरपोर्ट पहुंच गए थे। वहीं एयरपोर्ट पर सभी प्रकिया भी समय पर हो गई थी। जिसके बाद हमें कंपनी अपनी बस के द्वारा रनवे पर खड़े विमान के पास ले गई। लेकिन हमें विमान में नहीं बैठाया गया। कंपनी के अधिकारी मौसम की खराबी की बात ही कहते रहे। हम 1 घंटे से ज्यादा समय तक बस में बैठे रहें। इस दौरान बस का एसी भी बंद था। यात्रियों ने जब एसी चालू करने के लिए हंगामा किया तो बस ड्राइवर ने बस का गेट खोल दिया। 60 यात्रियों को कंपनी की लापरवाही के कारण पांच घंटे एयरपोर्ट पर इंतजार के बाद देर रात दिल्ली के लिए रवाना किया गया।

कार में ब्राउन शुगर की डिलेवरी देने आए दो युवकों को घेराबंदी कर पकड़ा

इंदौर। इंदौर की एमआईजी पुलिस ने कार सवार दो आरोपियों को पकड़ा है। आरोपियों के पास से 550 ग्राम ब्राउन शुगर पकड़ाई है। आरोपी यहां डिलेवरी देने आए थे। डिलेवरी के पहले आरोपियों को पुलिस ने दबोच लिया। एडीशनल डीसीपी अमरेन्द्रसिंह के मुताबिक एमआईजी पुलिस ने विशाल उर्फ निक्की पुत्र कमल किशोर धीमान निवासी बड़ी ग्वालटोली और राज पुत्र रूपसिंह भोमराज निवासी खटीक मोहल्ले को पकड़ा है। आरोपी कार से एमआर 9 लिंक रोड पर कार नंबर एमपी 09 डब्ल्यूई 7332 से ब्राउन शुगर की डिलेवरी देने आए थे। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर इनकी घेराबंदी की तो आरोपियों ने कार खजराना चौराहे की तरफ भगा दी। लेकिन पुलिस ने आरोपियों का पीछा कर उन्हें पकड़ लिया। पुलिस के मुताबिक जब्त ब्राउन शुगर की कीमत करीब साढ़े पांच लाख रूपए के लगभग है।

इंदौर-पुरी हमसफर रोजाना चलाने की मांग, अभी हप्ते में एक दिन चल रही

इंदौर। इंदौर स्टेशन चलने वाली इंदौर-पुरी हमसफर एक्सप्रेस को रोजान चलाने की मांग की जा रही है। अभी यह ट्रेन इंदौर से सप्ताह में एक दिन यानी प्रति मंगलवार को पूरी के लिए रवाना हो रही है। इंदौर-पूरी हमसफर एक्सप्रेस इंदौर को महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, और ओडिशा से जोड़ती है। हमसफर में सबसे ज्यादा यात्री नागपुर, रायपुर, भुवनेश्वर और पुरी के होते हैं। क्षेत्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति पश्चिम रेलवे के सदस्यों ने हमसफर को रोजाना चलाने के लिए पत्र लिखा है।
रेलवे सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार समिति के सदस्यों ने केंद्रीय रेल मंत्री और रेलवे बोर्ड अध्यक्ष को पत्र लिख एक्सप्रेस को रोजाना चलाने की मांग की है। सदस्यों ने पत्र में लिखा है कि इस ट्रेन में हमेशा लंबी वेटिंग रहती है। अब इस ट्रेन को प्रतिदिन चलाने की मांग की जा रही है, ताकि तीन राज्यों को जोड़ने वाली इस ट्रेन में यात्रियों को आसानी से सीट उपलब्ध हो सकें। एसी कोच के साथ शुरू हुई इंदौर-पुरी हमसफर एक्सप्रेस को वर्तमान में स्लीपर कोच के यात्रियों की संख्या ज्यादा होने से इसे स्लीपर कोच के साथ भी चलाया जा रहा है।

सांसद शंकर लालवानी की संस्था का नगर निगम ने काटा चालान

इंदौर। इंदौर में मालवा उत्सव मेला लगाने वाले सांसद शंकर लालवानी की लोक संस्कृति मंच संस्था पर नगर निगम ने 21 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया है। संस्था के कार्यालय पर चालान भेजा गया है। मेला समाप्त होने के बाद संस्कृति मंच ने परिसर में ही गंदगी छोड़ दी थी। टूटे डिब्बे, फटे फ्लैक्स व अन्य कचरा परिसर में सप्ताह भर से फैला हुआ था। इस मेले में 100 से ज्यादा स्टॉल लगे थे। उनका खाली बाक्स भी मैदान में बिखरे पड़े थे। लालबाग परिसर में हर रोज सुबह हजारों लोग सैर या व्यायाम के लिए आते है। उन्हें इससे काफी परेशानी हो रही थी। बारिश के बाद कचरा बदबू भी मारने लगा था। इसके बाद लोगों ने नगर निगम को इसकी शिकायत की दी। मंगलवार को क्षेत्र के स्वास्थ्य निरीक्षक ने लोक संस्कृति मंच को 21 हजार रुपये का चालान थमाया गया है। अभी मंच से राशि नहीं मिली है। चालान में ठोस अपशिष्ट नियमों के उल्लघंन का हवाला दिया गया है। मालवा उत्सव के दौरान प्रशासन ने अवैध कॉलोनी की बुकिंग कर रहे एक स्टॉल को भी प्रशासन सील कर चुका है।

अपनी फेंड्स को भेजती थी ऊंचाई से लिए फोटो

इंदौर में छात्रा अंजलि की खुदकुशी मामले में आया नया मोड़

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर में पिछले दिनों 13 वर्षीय छात्रा अंजलि यामयार ने बिल्डिंग से कूदकर खुदकुशी कर ली थी। अब इस मामले में नया मोड़ आ गया है। पुलिस को जांच में पता चला है कि वो अपनी फ्रेंड्स को बालकनी और बिल्डिंग में ऊंचाई से लिए गए फोटो भेजती थी।भाई आदित्य का दावा है कि अंजलि को ऑनलाइन गेम की लत लग चुकी थी। पुलिस को भाई के बयान पर शक है। आदित्य ने पहले कहा था कि अंजलि मम्मी-पापा के बीच हुए विवाद से परेशान थी। सातवीं में पढ़ने वाली अंजलि यामयार ने 18 जून को अपोलो डीबी सिटी में 14वीं मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस को सुसाइड नोट तो नहीं मिला लेकिन अंजलि का टेबलेट (गैजेट) हाथ लगा जो लॉक था। पुलिस ने माता-पिता से बात की तो कहा कि अंजलि आत्महत्या नहीं कर सकती। अवश्य उसके साथ कुछ घटा है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और घटनाक्रम के बारे में समझाया तो मान गए कि अंजलि ने जान दी है।
एडिशनल डीसीपी जोन-2 अमरेंद्रसिंह ने आदित्य से चर्चा की तो कहा कि पापा-मम्मी में कहासुनी होती रहती थी। अंजलि इस कारण भी काफी परेशान थी। पुलिस ने परिवार का अंदरूनी मामला बता कर आगे की जांच रोक ली।
अफसर दोबारा पहुंचे तो आदित्य ने

कहा कि अंजलि रो ब्लॉक्स ऑनलाइन गेम खेलती थी। सहेलियों को ऊंचाई के फोटो भेजती थी। उसका इशारा गेम की शर्तों के मुताबिक टास्क पूरा करने की तरफ था। डीसीपी जोन-2 अभिनव विश्वकर्मा के मुताबिक टेबलेट लॉक है। जब तक गेम और चैटिंग नहीं मिलती, नतीजे पर नहीं पहुंचा जा सकता।
सात दिन बाद भी टेबलेट अनलॉक नहीं कर सके साईबर विशेषज्ञ
अभी तक अंजलि का आईपैड अनलॉक नहीं हुआ है। जिस वक्त उसने सुसाइड किया, उस वक्त आईपैड हाथ में नहीं था। ऐसे में निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। साईबर एक्सपर्ट को आईपीडीआर निकालने के लिए कहा है ताकि यह पता लगाया जा सके कि अंजलि ने कितनी बार गेम खेला है। - राकेश गुप्ता, पुलिस आयुक्त

इंदौर में पुलिस के साथ ही धोखा, फर्जी आईडी देकर छुड़ा ले गए 11 अपराधियों को

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर शहर में पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) की कोर्ट में बड़ा फर्जीवाड़ा उजागर हुआ है। जालसाजों के संगठित गिरोह ने फर्जी आईडी और फर्जी पावती से 11 अपराधियों की रिहाई करवा ली है। छोटी ग्वालटोली पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है।
फर्जीवाड़ा में एक वकील का नाम सामने आया है। डीसीपी जोन-3 पंकज पांडे के मुताबिक शक होने पर पुलिस ने जांच करवाई। इसमें पता चला आरोपित फर्जी आधार कार्ड बनाकर अलग-अलग व्यक्तियों को कोर्ट में पेश कर आरोपितों की जमानत करवा लेते थे।
इंदौर के करीब सांवेर निवासी सुरेश रामचंद्र के नाम की पावती का इस्तेमाल किया है। प्रकरण दर्ज करते ही टीआई उमेश यादव ने आनंद उर्फ डॉन नाइक और कमलेश बेरवा को गिरफ्तार कर लिया। देर रात एसीपी तुषार सिंह ने पूछताछ की तो आरोपितों ने विजय प्रजापति नामक वकील का नाम लिया। एक मामले में जिस सुरेश की पावती का उपयोग हुआ था, उसने बताया कि वह

कभी कोर्ट में पेश नहीं हुआ था।इससे यह आशंका जताई जा रही है कि गिरोह दूसरे के आईडी कहीं से लेकर उनका गलत उपयोग भी कर रहा था। पुलिस अब इस मामले में आगे की जांच कर रही है।
पुलिस को ही दे दिया धोखा
पुलिस ने इस मामले में जब दो आरोपितों को गिरफ्तार करने के बाद पूछताछ की तो उनके होश उड़ गए। इन्होंने एक पूरा गिरोह बना रखा था। सभी फर्जी दस्तावेज के जरिए अपराधियों को छुड़वाते थे। गिरोह फर्जी आधार कार्ड भी बनवा लेता था। इसके बाद कोर्ट में लोगों को पेश कर जमानत करवा ली जाती थी। अपराधियों को छुड़वाने के बदले गिरोह उनसे मोटी रकम वसूलता था। पुलिस इस मामले में पकड़ में आए दोनों आरोपितों के अन्य साथियों का पता लगवाने की कोशिश कर रहे हैं। पुलिस यह आशंका है कि गिरोह में और भी लोग जुड़े हुए हैं।

29 जून से स्पेशल किराए के साथ चलेगी कटरा सुपरफास्ट

इंदौर। यात्रियों की सुविधा एवं उनकी मांग को ध्यान में रखते हुए पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के डॉ. अम्बेडकर नगर से श्रीमाता वैष्णोदेवी कटड़ा के मध्य गाड़ी संख्या 09321/09322 डॉ. अम्बेडकर नगर श्रीमाता वैष्णो देवी कटड़ा त्रि-साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन दोनों दिशाओं में कुल 12 फेरे स्पेशल किराया के साथ चलेगी। गाड़ी संख्या 09321 डॉ. अम्बेडकर नगर श्रीमाता वैष्णोदेवी कटड़ा स्पेशल 29 जून से 10 जुलाई प्रति सोमवार, बुधवार और शनिवार को डॉ. अम्बेडकर नगर से 10.30 बजे चलकर रतलाम मंडल के इंदौर(10.55/11.05), देवास(11.40/11.43), उज्जैन(12.30/12.55), मक्सी(13.35/13.37), बेरछा(13.48/13.50), अकोदिया(14.20/14.21), शुजालपुर(14.34/14.36), कालापीपल(14.48/14.49) एवं सीहोर(15.15/15.17) होते हुए आरंभिक स्टेशन से गाड़ी परिचालन के अगले दिन 16.00 बजे श्रीमाता वैष्णोदेवी कटड़ा पहुँचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09322 श्रीमाता वैष्णोदेवी कटड़ा डॉ. अम्बेडकर नगर सुपरफास्ट स्पेशल 30 जून से 11 जुलाई तक श्रीमाता वैष्णोदेवी कटड़ा से प्रति मंगलवार, गुरूवार एवं रविवार को 21.40 बजे चलकर रतलाम मंडल के सीहोर(19.05/19.07), कालापीपल(19.32/19.33), शुजालपुर(19.45/19.47), अकोदिया(20.00/20.01), बेरछा(20.30/20.32), मक्सी(20.45/20.47), उज्जैन(21.30/21.55), देवास(22.40/22.42) एवं इंदौर(23.15/23.20) होते हुए आरंभिक स्टेशन से गाड़ी प्रस्थान के अगले दिन 23.50 बजे डॉ. अम्बेडकर नगर पहुँचेगी। इस ट्रेन का दोनों दिशाओं में इंदौर, देवास, उज्जैन, मक्सी, बेरछा, अकोदिया, शुजालपुर, कालापीपल, सीहोर, संत हिरदाराम नगर, भोपाल, विदिशा, गंज बसौदा, बीना, ललितपुर, बबीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, ग्वालियर, धौलपुर, आगरा कैंट, मथुरा, फरिदाबाद, निजामुद्दीन, नई दिल्ली, पानीपत, कुरुक्षेत्र, अंबाला, लुधियाना, जालंधर कैंट, पठानकोट कैंट, कटुआ, जम्मुतवी एवं शहीद कैप्टन तुषार महाजन((उधमपुर) स्टेशनों पर ठहराव दिया गया है। इस ट्रेन में थर्ड एसी, स्लीपर एवं अनारक्षित सामान्य श्रेणी के कोच रहेंगे।

नए मास्टर प्लान में हो रहा किसी को नहीं मालूम, जमकर बरसे प्रमुख संगठन

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। शहर के पुराने मास्टर प्लान के अनुभव तो पीड़ादायी रहे ही हैं, नए मास्टर प्लान में क्या कुछ हो रहा है - यह भी किसी को नहीं मालूम है। कोई सुनने, समझने और बताने को भी तैयार नहीं है कि नए मास्टर प्लान का स्वरूप क्या होगा। इस विसंगति के बीच संस्था सेवा सुरभि ने रानी सराय स्थित इंडियन काफी हाउस में शहर के प्रमुख औद्योगिक, व्यापारिक एवं अन्य तकनीकी संस्थानों के प्रमुख पदाधिकारियों को आमंत्रित किया और नए मास्टर प्लान में किन-किन प्रावधानों को शामिल किया जाना चाहिए, इस पर विचार मंथन कर उनके सुझाव भी प्राप्त किए। इस बैठक में शहर के इंजीनियर्स, नगर नियोजक, मंडी अध्यक्ष, क्रेडाई, ट्रांसपोर्ट एवं यातायात से जुड़े विशेषज्ञों से लेकर जल प्रबंधन के क्षेत्र में काम कर रहे लोगों ने सार्थक चर्चा की। सभी ने एक स्वर में यही निष्कर्ष व्यक्त किया कि शहर के बढ़ते हुए क्षेत्रफल, जनसंख्या, वाहनों की संख्या, औद्योगीकरण, एज्युकेशन हब, एवं शहर के सटे 20-25 किलोमीटर तक के क्षेत्रों में हो रहे विकास को देखते हुए शासन को नए मास्टर प्लान का प्रारूप पहले आम जनता के समक्ष रखना चाहिए और उसके बाद ही उस पर क्रियान्वयन होना चाहिए। वक्ताओं ने इस बात पर भी नाराजगी जताई कि पुराने मास्टर प्लान की क्रियान्वयन रिपोर्ट आज तक सामने नहीं आई, न ही 2042 तक का वास्तविक जनसंख्या का अनुमान सामने आया है और दावा किया जा रहा है कि नया मास्टर प्लान बना रहे हैं।
पार्किंग की समस्या और लाजिस्टिक हब की मांग
आल इंडिया ट्रांसपोर्ट एसोसिएश इंदौर के अध्यक्ष राकेश तिवारी ने भी ट्रांसपोर्ट को शहर के विकास में महत्वपूर्ण घटक बताया। उन्होंने कहा कि सियागंज, महारानी रोड एवं दवा बाजार जैसे क्षेत्रों से पूरे देश में सड़क मार्ग से माल जाता है। शहर से एक हजार ट्रक रोजाना पूरे देश में जाते है, लेकिन कहीं भी लाजिस्टिक हब नहीं है। इंदौर के आसपास धार, देवास, पीथमपुर जैसे क्षेत्रों में 25-50 एकड़ जमीन रखना चाहिए। रात में ट्रांसपोर्ट का काम करना हमारा शौक नहीं, मजबूरी है।

शहर में पार्किंग की समस्या बहुत बड़ी है।
कृषि मंडी और किसानों की नहीं सुन रही सरकार
कृषि उपज मंडी अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने कहा क लंबे अर्से से अनाज मंडी को शहर के बाहर बसाने की बात हो रही है, लेकिन अब तक कुछ नहीं हुआ। शहर में प्रतिदिन 50 हजार क्विंटल अनाज मंडी में आता है और 90 करोड़ रुपया मंडी टैक्स के रूप में सरकार को मिलता है, लेकिन यदि पुराना मास्टर प्लान ही लागू कर दिया जाए तो शहर का व्यवस्थित विकास हो सकता है।
अवैध बिल्डिंग में बैठकर कर रहे हम चर्चा
ग्रीन बिल्डिंग विशेषज्ञ जितेन्द्र व्यास ने कहा कि शहर की एक भी बिल्डिंग वैध नहीं है। हम वैध नंबर वाले वाहन पर बैठकर इस अवैध भवन में मास्टर प्लान में चर्चा कर रहे हैं। प्रशासन ने सियागंज में अलग जगह छोड़ी है और बाकी मोहल्लों में अलग। मास्टर प्लान पर सचमुच अमल करना है तो हमें मुख्यमंत्री, नगरीय विकास मंत्री और अधिकारियों से संपर्क में रहना होगा।
भूगर्भ जल को बढ़ाना जरूरी
भूगर्भ जल विशेषज्ञ डॉ. सुधीन्द्र मोहन शर्मा ने कहा कि मास्टर प्लान में उन स्थानों को भी इंगित किया जाना चाहिए, कैट के डिपार्टमेंट ऑफ एटामिक एनर्जी के. निकेतन ने कहा कि नियम कायदे तो बहुत बढ़िया बनते हैं, लेकिन उन पर अमल नहीं होता। 2400 वर्गफुट के प्लट पर 12 हजार वर्गफुट तक के निर्माण हो रहे हैं पर कोई देखने वाला नहीं है। शहर के कुछ क्षेत्रों की ड्रेनेज लाइन 1965 में डाली गई थी, तब से अब तक वही पुराना ढर्रा चला आ रहा है। कता है। देश में केवल 8 प्रतिशत जगह है, जहां वाटर रिचार्ज की गुंजाइश है।

बीजेपी नेता की हत्या के दोनों आरोपियों के घर बुलडोजर एक्शन

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। मोहन यादव सरकार का एक बार फिर जोरदार बुलडोजर एक्शन हुआ है। बीजेपी नेता मोनू कल्याणे की हत्या मामले में दोनों आरोपियों के घर पर बुलडोजर से अवैध निर्माण को जमींदोज कर दिया गया। बुलडोजर की गड़गड़ाहट के साथ ही भारी मात्रा में पुलिस फोर्स और प्रशासन की टीम मौजूद रहीं। आपको बता दें कि दो दिन पूर्व इंदौर में बीजेपी नेता मोनू कल्याणे की गोलियों से भूनकर हत्या कर दी गई थी। कल्याणे कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के करीबियों में शामिल थे।
हत्याकांड के बाद मंगलवार दोपहर को इंदौर के उषा फाटक के नजदीक आरोपियों के घर पर बुलडोजर एक्शन हुआ। आरोपी मामा-भांजे अर्जुन और पीयूष पथरोड़ इसी तीन मंजिला बिल्डिंग में परिवार के साथ रहते थे। सूत्रों की बात मानें तो बुलडोजर एक्शन से पहले प्रशासन की ओर से 24 जून को अवैध निर्माण के ध्वस्तीकरण के लिए नोटिस भी जारी किया गया था। बीजेपी कार्यकर्ताओं ने बुलडोजर ऐक्शन को सही ठहराते हुए पूरे मकान के धवस्तीकरण की भी मांग की थी।
हाईटेक मशीन का पंजा टूटा
मकान का अवैध हिस्सा गिराते समय हाईटेक मशीन का पंजा टूट गया। जेसीबी और हथौड़े से इसे गिराया गया। इसके बाद मोनू के परिजन ने आरोपियों का पूरा मकान तोड़ने की मांग को लेकर चिकमंगलूर चौराहे पर धरना दिया। अधिकारियों के कड़ी कार्रवाई का आश्वासन देने पर प्रदर्शन खत्म किया गया।
एसीपी विनोद दीक्षित ने बताया कि पूरी सुरक्षा व्यवस्था के बीच आरोपियों के मकानों को ध्वस्त किया गया। नगर निगम उपायुक्त लता अग्रवाल के मुताबिक

आरोपियों के मकान में ऊपर की मंजिल पूरी तरह से अवैध थी। उसे गिरा दिया गया है।
आरोपियों के कुछ रिश्तेदार उल्टे पैर लौटे
हत्या के बाद आरोपियों के परिजन भी घर छोड़कर भाग गए थे। जब मकान तोड़ा जा रहा था तो आरोपियों के कुछ रिश्तेदार भी मौके पर आए थे,लेकिन भीड़ के कारण वे उल्टे पैर लौटने को मजबूर हो गए। क्षेत्र में मकान तोड़े जाने से पहले भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। शाम तक पूरा मकान नगर निगम ने ध्वस्त कर दिया।
चिमनबाग क्षेत्र में रविवार की घटना
मृतक भाजपा नेता मोनू कल्याणे की हत्या इंदौर के चिमनबाग क्षेत्र में रविवार को कर दी गई थी। वह यहां जब अपने भाई और दोस्तों के साथ पोस्टर बैनर लगावा रहे थे, तभी पीयूष और अर्जुन नाम ने उससे बात करते हुए पिस्टल से फायर कर दिया। मोनू को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। आरोपियों को इंदौर पुलिस ने भोपाल के मंडीदीप क्षेत्र से गिरफ्तार किया। मृतक मोनू प्रदेश सरकार के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के भी करीबी नेता रहे है।
रविवार को प्रतावित भगवा यात्रा निकालने से पहले बीजेपी नेता कल्याणे की हत्या के बाद बीजेपी कार्यकर्ताओं में काफी उबाल था। बीजेपी कार्यकर्ताओं ने सरकार से मांग की थी कि दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाए। घटना के बाद कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर रोष भी जताया था।
परेशान होकर मारा, खरगोन से अरेंज की थी पिस्टल
पुलिस पूछताछ में आरोपी अर्जुन पथरोड़ ने कबूल किया है कि मोनू हमें काम-धंधा नहीं करने देता। ब्याज का काम होने से जिन्हें रुपए देते थे, उन्हें वापस लौटाने के लिए रोक देता था। पुलिस प्रकरण बनवाने की कोशिश की। परेशान होकर उसे मार डाला। वारदात के लिए पिस्टल खरगोन जिले से ली थी। मोनू और अर्जुन के बीच झगड़े इस कदर बढ़ गए थे कि कभी शादी तो कभी छुटपुट बातों पर खुन्नस उतारने लगे थे। आरोपी अर्जुन के घर में करीब डेढ़ महीने पहले शादी थी। तब भी दोनों आमने-सामने हो गए। मोनू पर आरोप लगे कि उसने शादी वाले परिवार के आए मेहमानों के सामने अर्जुन की बेइज्जती कर दी। एसी घटनाओं से विवाद दुश्मनी में बदल गया।

उप मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री ने की दस्तक सह डायरिया अभियान की शुरुआत

स्वास्थ्य विभाग को मिलेगी 20 हजार की एडिशनल मैन पॉवर

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राजधानी भोपाल में मंगलवार को दस्तक सह डायरिया अभियान की शुरुआत की गई। इस कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला ने कहा कि हमारे पास जो भी लोग आते हैं, वह कहते हैं कि बिल्डिंग तो अच्छी है। डॉक्टर्स भी दे दीजिए, पैरामेडिकल स्टॉफ भी दे दीजिए। यह चुनौती हमारे सामने थी। अगले छह महीने में 20 हजार एडिशनल मैन पॉवर स्वास्थ्य विभाग को मिलने वाला है। अब हमें काम करना है। बिल्डिंग इक्विपमेंट और मैन पावर देने की जिम्मेदारी सरकार की है। परफॉर्म करने की जिम्मेदारी आपकी है। कार्यक्रम में स्वास्थ्य राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने कहा, 0 से पांच साल के बच्चे हमारा भविष्य हैं। इनको बचाने का काम हमारी टीम का है। निश्चित रूप से यह जो कार्यक्रम है, इसका क्रियान्वयन आपके ऊपर है। मेरा छोटा बेटा जब दो महीने का था, तब से उसके हार्ट में कुछ दिक्कत है। उसकी बीमारी की पहचान दो महीने में हो गई तो समय से इलाज शुरू हो गया। आज वह स्वस्थ है। हाल ही में मैंने आठ महीने की एक बच्ची को देखा। उसकी स्थिति बहुत गंभीर हो गई थी। यह उदाहरण इसलिए दे रहा हूं कि जैसे हमारे बच्चे हैं। ऐसे इस प्रदेश के जितने बच्चे हैं, उनकी चिंता आप सभी करेंगे।

31 जून तक प्रदेश घर में चलेगा दस्तक अभियान

मध्यप्रदेश में डायरिया से निपटने के लिए 25 जून से 31 अगस्त तक दस्तक अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान बाल्य कालीन बीमारियों की पहचान एवं त्वरित उपचार सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश में प्रतिवर्ष दस्तक अभियान संचालित किया जाता है। अभियान का प्रमुख उद्देश्य बाल मृत्यु प्रकरणों में कमी लाना है। इस कार्यक्रम में प्रदेश के भी जिलों के सीएमएचओ को बुलाया गया था।

ऐसे चलेगा दस्तक अभियान

स्वास्थ्य आयुक्त प्रियंका दास ने कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि बच्चों में स्वास्थ्य विसंगतियों की जाएगी पहचान। दस्तक अभियान के अन्तर्गत बीमार नवजात और बच्चों की पहुंच, प्रबंधन एवं रेफरल एवं अस्पताल से छुट्टी प्राप्त बच्चों का फॉलोअप किया जाएगा। नौ महीने से 5 वर्ष के बच्चों में विटामिन ह्यएह्ल की खुराक का अनुपूरण और 0 से 5 आयु वर्ष के बच्चों में दस्त की पहचान एवं नियंत्रण के लिए ओआरएस एवं जिंक का वितरण स्वास्थ्य कार्यकताओं द्वारा किया जाएगा। 31 जून तक प्रदेश भारत में दस्तक अभियान चलाया जाएगा।

डायरिया की रोकथाम के लिए लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकी विभाग, महिला बाल विकास विभाग, ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज विभाग, नगरीय विकास एवं आवास विभाग एवं स्कूल शिक्षा विभाग के लिए निर्देश जारी किए गए हैं, जिसमें कहा गया है कि दस्त के मामलों को ट्रैक करने के लिए जिला स्तरीय टीम का गठन करें। ऐसे क्षेत्र जहां दस्त एवं अन्य रोगों के मरीजों की अधिकता हो उस क्षेत्र का नियमित रूप से डेटा का विश्लेषण कर विशेष व्यवस्थाएं की जाना सुनिश्चित करें। बच्चों में दस्त को रोकने के लिए रोटा वायरस टीकों को बढ़ावा दें और उनका प्रबंध करें।

सभी स्वास्थ्य केंद्रों और अस्पतालों में पर्याप्त मात्रा में ओरल रिहाइड्रेशन सोल्यूशंस और जिंक सप्लीमेंट्स की उपलब्धता सुनिश्चित करें व सभी शासकीय एवं निजी स्वास्थ्य संस्थाओं में ओआरएस कॉर्नर स्थापित करना सुनिश्चित करें। सभी शासकीय एवं निजी स्वास्थ्य संस्थाओं में डायरिया प्रबंधन के लिए बिस्तर चिह्नांकित करते हुए आवश्यक दवाओं एवं मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित करें। जन सामान्य में स्वच्छता, सेनिटेशन और साफ पेयजल के महत्व के बारे में शिक्षित करने के लिए अभियान चलाएं। स्थानीय मीडिया, सामुदायिक बैठकें और स्कूलों को सम्मिलित करते हुए डायरिया से बचाव व डायरिया प्रबंधन की जानकारी प्रसारित करे।

सुरक्षित पेयजल पहुंचना सुनिश्चित करें

निर्देश में कहा गया है कि स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल की पहुंच सुनिश्चित करें। इसलिए जल शुद्धिकरण कार्यक्रम को संचालित करते हुए जल शुद्धिकरण गोलियां व फिल्टर वितरित करें। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के माध्यम से प्रत्येक जल स्त्रोत की सुनिश्चित समयावधि में जांच करते हुए ये सुनिश्चित किया जाए की आमजन को प्रदाय किए जाने वाला जल संक्रमित न हो। विशेष रूप से ग्रामीण और अविकसित क्षेत्रों में सेनिटेशन सुविधाओं में सुधार करें। खुले में शौच को रोकने के लिए शौचालयों का निर्माण और उपयोग को बढ़ावा दें। जल स्त्रोतों को प्रदूषण से बचाने के लिए कचरा संग्रह और निपटान प्रणाली को बढ़ाएं। खाद्य प्रतिष्ठानों और सार्वजनिक स्थानों में स्वास्थ्य और स्वच्छता मानकों के अनुपालन को सुनिश्चित करें।

आपातकाल की 50वीं बरसी पर मीसाबंदियों को सम्मानित किया गया

नरोत्तम बोले-संकट लोकतंत्र पर नहीं गांधी परिवार पर है

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय में मंगलवार को आपातकाल की 50वीं बरसी पर मीसाबंदियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पूर्व गृहमंत्री और वरिष्ठ नेता डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन के नेता सोमवार को संसद में संविधान की प्रति हाथ में लेकर पहुंचे थे। लोकसभा चुनाव के दौरान संविधान और लोकतंत्र को बचाने का कांग्रेस और इंडी गठबंधन ने झूठा प्रचार-प्रसार किया। हकीकत में कांग्रेस राज में 100 से ज्यादा बार संविधान में संशोधन किया गया। जब 1975 में आज के दिन रात को 2 बजे तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने इमरजेंसी लगाई थी। उस समय सोनिया गांधी बहू के नाते वहां पर मौजूद थी। तब सोनिया गांधी ने संविधान बचाने की बात नहीं की,लेकिन सोमवार जब संसद भवन पहुंचीं तो उनके हाथ में संविधान की प्रति थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व संविधान को कोई खतरा नहीं है। झूठा प्रचार-प्रसार जो कांग्रेस और उसके सहयोगी दल कर रहे हैं। हमें उसका सच बताना होगा।

मोदी जी ने देश के बेटों को चुना, इंडी गठबंधन ने अपनों को चुना

डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि राहुल गांधी झूठ की मशीन है। संकट संविधान और लोकतंत्र पर नहीं है,बल्कि राहुल और गांधी परिवार के साथ-साथ अपने परिवार को स्थापित करने वाले इंडी गठबंधन का कोई नेता कुछ नहीं बोला। जिन राज्यों में भाजपा की सरकार है वहां कुछ होता है तो संविधान और लोकतंत्र को खतरा बताने लगते हैं। हम बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर के अनुयायी हैं। हमारे शासन में संविधान को कोई खतरा नहीं हो सकता है।

आपातकाल में न कोई अपील चलती थी न कोई दलील

पार्टी के प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी ने कहा कि संविधान की हत्या कांग्रेस ने कर इमरजेंसी लगाई थी। उस समय न कोई अपील चलती थी न कोई दलील। आपातकाल के दौरान भोपाल समेत प्रदेश भर के लोगों को जबरन जेलों में डाला गया और चौथे स्तंभ पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया। कोई खबर बिना कलेक्टर या अन्य अधिकारी के देखे बगैर नहीं प्रकाशित हो सकती थी। आज प्रदेश भर के जिला मुख्यालयों सहित संभागीय कार्यालयों में मीसाबंदियों का सम्मान किया गया।

सरकार का विरोध करने कल दिल्ली जाएंगे युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश की परीक्षाओं में लगातार हो रही गड़बड़ी को लेकर मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस लगातार विरोध प्रदर्शन कर रही है। अब दिल्ली तक जाने की तैयारी कर ली है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने बताया कि केंद्र और मप्र की भाजपा सरकार में नीट, नर्सिंग, व्यापमं, पटवारी, डीमेट जैसे अनेक महाघोटाले हुए हैं, जिससे छात्र का भविष्य अंधकारमय है। सरकार की शिक्षा नीति शिक्षा माफियाओं की कठपुतली बनी हुई है। मप्र के युवाओं ने आक्रोशित होकर भाजपा को ह्यघोटाला कर्मठ अवॉर्डह्ल से सम्मानित करने का फैसला किया है।

बता दें कि 27 जून को मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस के नेतृत्व में प्रदेशभर के हजारों युवा दिल्ली पहुंचकर केंद्र सरकार की शिक्षा नीतियों और शिक्षा माफियाओं के विरोध में जंगी प्रदर्शन कर संसद भवन का घेराव करेंगे और घोटाला कर्मठ अवॉर्ड भाजपा मुख्यालय को सौंपेंगे। त्रिपाठी ने बताया कि मप्र में नर्सिंग महाघोटाले को दबाने के लिए भाजपा सरकार प्रयासरत है। परंतु आगामी

विधानसभा सत्र में कांग्रेस का विधायक दल इस मामले को लेकर सरकार को घेरने की पूरी तैयारी कर चुका है। एक तरफ भाजपा सरकार दोषी तत्कालीन मंत्री और अधिकारियों को बचाने के लिए ऐड़ी-चोटी का जोर लगा रही है। इतना ही नहीं उक्त संबंध में सबूत और दस्तावेजों मिटाने के लिए मंत्रालय में आग तक लगवा दी गई।

बड़े अधिकारियों को बचाने कर्मचारियों पर कर रहे कार्रवाई

विवेक त्रिपाठी ने कहा है कि अधिकारियों पर आंच न आए, इसलिए छोटे कर्मचारियों पर दिखावटी कार्रवाई कर घोटाले पर पर्दा डालने की साजिश रची जा रही है। विगत दिवस नर्सिंग काउंसिल की पूर्व रजिस्ट्रार चंद्रकला दिवगैया को जब सेवा से बर्खास्त किया गया तो उन्होंने मीडिया को एक बयान जारी कर बताया कि उन्हें उच्च अधिकारियों द्वारा फर्जी नर्सिंग कॉलेज में जांच की कार्रवाई करने से रोका जाता था। त्रिपाठी ने आरोप लगाते हुये कहा कि वहीं वरिष्ठ अधिकारी आज तक उन्हीं पदों पर काबिज हैं, उनसे प्रदेश की भाजपा सरकार कब पूछताछ करने वाली है? दुख का विषय है कि मप्र में शिक्षा माफिया इतना मजबूत है कि न्यायालय द्वारा सीबीआई से कराई जाने वाली जांच को भी खरीद-फरोख्त कर जांच को प्रभावित कर रहा है।

नगरीय विकास विभाग के गबन का आरोपी सहायक वर्ग-3 कर्मचारी बर्खास्त

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के आयुक्त ने नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय के गबन के आरोपी सहायक वर्ग-3 कर्मचारी रामसिंह रायपुरिया को शासकीय सेवा से बर्खास्त कर दिया है। रायपुरिया को गंभीर कदाचरण और शासकीय राशि के गबन के आरोपों की प्रमाणिता के बाद बर्खास्त किया गया है। इस संबंध में नगरीय विकास एवं आवास विभाग के आयुक्त भरत यादव ने सेवा से पृथक करने के आदेश जारी किए हैं। यह कार्रवाई विभागीय जांच प्रतिवेदन के आधार पर की गई है। रायपुरिया के गबन की गई शासकीय राशि सेवा शर्तों के अनुसार भू-राजस्व के बकाया की भांति वसूली योग्य होगी। विभागीय जांच प्रतिवेदन में प्रमाणित किया गया है कि रायपुरिया ने कुल 33 कूटरचित पत्र तैयार करते हुए एवं तत्कालीन संयुक्त संचालक और अपर संचालक अनिल कुमार गोंड के नकली हस्ताक्षर का उपयोग कर 7 करोड़ 59 लाख 51 हजार की राशि स्वयं व अपने रिश्तेदारों के खातों में हस्तांतरित कर शासकीय राशि का गबन किया है। रायपुरिया के विरुद्ध दिसम्बर 2022 में भादसं 1860 की धारा 406, 409, 420, 467, 468 एवं 471 के अंतर्गत एफआईआर दर्ज की गई थी, जिसके संबंध में आपराधिक प्रकरण जिला एवं सत्र न्यायालय, भोपाल में प्रचलित है। रायपुरिया वर्तमान में केंद्रीय जेल भोपाल में बंद है।

किसके आदेश पर हटाई जीनत उल मसाजिद से जालियां, होगा जांच

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। जीनत उल मसाजिद शहर और प्रदेश की कदीमी मस्जिदों में शुमार की जाती है। यह नवाबकालीन विरासत का एक हिस्सा कही जा सकती है। इसके वजूद से छेड़छाड़ किया जाना स्वीकार्य नहीं है। पूरे मामले की जांच कराने के बाद इन जालियों को दोबारा लगवाया जाएगा। मप्र वक्फ बोर्ड अध्यक्ष डॉ सनव्वर पटेल ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि प्रदेश की वक्फ संपत्तियों को सहेजने, संधारण, सुरक्षा के सतत प्रयास किए जा रहे हैं। जीनत उल मसाजिद मामले में शिकायत मिली है, जिसको लेकर संबंधित शाखा को जांच के लिए निर्देशित कर दिया गया है। गौरतलब है कि शहर की कदीमी मस्जिदों में शुमार जीनत उल मसाजिद से जालियां हटाने का मामला अमर उजाला ने प्रमुखता से प्रकाशित किया था। जिसके बाद हलचल शुरू हुई और मामला यथास्थिति बनाने की तरफ बढ़ रहा है। पुराना शहर स्थित पुरातन मस्जिद जीनत उल मसाजिद से की उन जालियों को मस्जिद उखाड़ फेंका गया, जिनको शाहजहां बेगम ने ख्वातीन (औरतों) के परदे के इंतजाम के लिए लगाया था। जिससे की ईमाम की आवाज औरतों तक पहुंच जाए और बेपर्दगी भी न हो। नियमानुसार किसी प्राचीन इमारत में किसी तरह के बदलाव का अधिकार औकाफ ए शाही को नहीं है। उसे शाही औकाफ को इस काम के लिए मप्र वक्फ बोर्ड से विधिवत अनुमति ली जाना चाहिए थी। मप्र वक्फ बोर्ड के अधीन काम करने वाला शाही औकाफ लगातार मनमानी कर रहा है। वर्ष 2017 के बाद से अब उसने बोर्ड को आय व्यय का ब्यौरा नहीं सौंपा है। पिछले दिनों बड़ा बाग स्थित शाही कब्रिस्तान की किरायादारी भी उसने कर दी है। अब जीनत उल मस्जिद में किए जा रहे बदलाव को लेकर वह शहर में चर्चा और लोगों के गुस्से की वजह बना हुआ है।

घर से देर रात चाय पीने निकले युवक की अशोका गार्डन में हत्या

भोपाल। भोपाल के अशोका गार्डन इलाके में एक युवक की हत्या हो गई। सोमवार रात 10 बजे सेमरा की राम कॉलोनी निवासी अरविंद विश्वकर्मा (30) अपने घर से चाय पीने के लिए निकला था। इसी दौरान बदमाशों ने धारदार हथियार से उस पर हमला कर दिया। गंभीर हालत में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। एएसआई मनोज सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए हमीदिया अस्पताल भेजा गया है, मामले में जांच की जा रही है। वह सेंटिंग बांधने काम करता था। पुलिस को डायल 100 पर एकता पुरी ग्राउंड में मारपीट की सूचना मिली थी। किसी ने फोन करके पुलिस को बताया कि चार लोग एक युवक को मार रहे हैं। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो युवक गंभीर रूप से घायल था, जिसके बाद तुरंत ही युवक को हमीदिया अस्पताल में भर्ती करवाया गया। करीब 2 घंटे बाद युवक की अस्पताल में मौत हो गई।

पत्थर और धारदार हथियार से मारा

पुलिस के अनुसार युवक को पत्थर और धारदार हथियार से मारा गया है। उसकी गर्दन, चेहरे और शरीर पर पत्थर और धारदार हथियार से वार के कई जख्म थे। मृतक की परिजन गयित्री विश्वकर्मा ने बताया कि रात करीब 9:30 बजे बात हुई थी, वह बता रहा था कि मैंने खाना बना लिया है बस खाने जा रहा हूं, उसके बाद वह दिखाई नहीं दिया फिर पुलिस ने हमें सुबह करीब 5 बजे बताया कि इस तरह की घटना हुई है।

भोपाल में चार दिन में जून की बारिश का कोटा पूरा, अभी भी बारिश का अलर्ट

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भोपाल में मंगलवार दोपहर बाद बारिश हुई। इससे पहले दिन भर उमस और गर्मी का माहौल रहा। शाम करीब 4.30 बजे अचानक मौसम बदला, और एमपी नगर समेत आसपास के कई इलाकों में बारिश होने लगी। मौसम विभाग ने अगले तीन दिन तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। जून महीने में जितनी बारिश होती है, उतनी 4 दिन में ही हो गई। 21 जून से अब तक भोपाल में कुल 187.1 मिमी यानी, 7.3 इंच बारिश हुई। जबकि मंगलवार को मिलाकर चार दिन तेज बारिश का अलर्ट है। इससे आंकड़ा और भी बढ़ जाएगा।

राजधानी में जून महीने की औसत बारिश 132.8 मिमी यानी, 5.2 इंच है। आमतौर पर 20 जून तक मानसून की दस्तक के बाद ही तेज बारिश होती है, लेकिन इस बार मानसून के आने से पहले ही तेज बारिश हो गई।

23 जून को भोपाल में मानसून की एंट्री हुई। इसके दो दिन पहले से भोपाल में बारिश हो रही है। इस वजह से बारिश का आंकड़ा 7.3 इंच तक पहुंच गया है। सबसे ज्यादा बारिश बैरागढ़ स्टेशन पर हुई है।

इस बार 106% बारिश का अनुमान

भोपाल में इस बार सामान्य से 106ह्ल बारिश होने का अनुमान है। पिछली बार 18% कम यानी, 82% (30.9 इंच) बारिश

हुई थी, जबकि भोपाल की सामान्य बारिश 37.6 इंच है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अबकी बार भले ही मानसून 3 दिन की देरी से पहुंचा, लेकिन अच्छा बरसेगा।

प्री-मानसून की रिकॉर्ड बारिश

अबकी बार शहर में प्री-मानसून जमकर बरसा है। 21-22 जून की रात में 4.8 इंच पानी बरस गया। यह 24 घंटे में सबसे ज्यादा बारिश का दूसरा रिकॉर्ड है। 24 घंटे में सर्वाधिक बारिश का रिकॉर्ड 22 जून 1986 के नाम है। इस दिन 5 इंच से अधिक बारिश हुई थी।

अगले तीन दिन ऐसा रहेगा मौसम

26 जून को भी तेज बारिश का अलर्ट है। दिन में पारा 34 डिग्री और रात में 24 डिग्री तक पहुंच सकता है। 27 और 28 जून को तेज बारिश होने का अनुमान है। इससे दिन और रात दोनों ही तापमान में गिरावट हो सकती है।

सम्पादकीय

कई सवाल खड़े करते हैं लगातार धड़ाधड़ गिरते पुल

निर्माण उद्योग कई विकासशील देशों में आर्थिक विकास की रीढ़ है। बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं में सालाना खर्च किए जाने वाले धन की मात्रा को देखते हुए, भ्रष्टाचार और मुनाफाखोरी की गुंजाइश बहुत अधिक होती है। सरकारों को सार्वजनिक व्यय का ऑडिट और निगरानी करने तथा निर्माण उद्योग में सार्वजनिक-निजी भागीदारी को बेहतर ढंग से प्रबंधित करने के लिए अधिक उपायों की आवश्यकता है।

निर्माण उद्योग कई विकासशील देशों में आर्थिक विकास की रीढ़ है। बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं में सालाना खर्च किए जाने वाले धन की मात्रा को देखते हुए, भ्रष्टाचार और मुनाफाखोरी की गुंजाइश बहुत अधिक होती है। सरकारों को सार्वजनिक व्यय का ऑडिट और निगरानी करने तथा निर्माण उद्योग में सार्वजनिक-निजी भागीदारी को बेहतर ढंग से प्रबंधित करने के लिए अधिक उपायों की आवश्यकता है। भारत की बात करें तो सबसे ज्वलंत उदाहरण बरसात आने से पहले ही बिहार में एक सप्ताह के भीतर एक के बाद एक तीन पुलों का गिरना है। यह सार्वजनिक निर्माण में व्याप्त भ्रष्टाचार व धांधलियों को बेनकाब करता है। लगातार धड़ाधड़ गिरते पुल न केवल ठेकेदारों बल्कि उन्हें संरक्षण देने वाले राजनेताओं पर भी सवालिया निशान लगाते हैं। एक सप्ताह के भीतर बिहार के मोतिहारी में रविवार को एक पुल गिरने की तीसरी घटना हुई। इससे पहले अररिया और सिवान में भ्रष्टाचार के पुल गिरे थे। पूर्वी चंपारण के मोतिहारी में डेढ़ करोड़ की लागत से बनने वाला जो पुल गिरा, उसकी एक दिन पहले ही ढलाई हुई थी। रात में पुल भरभरा कर गिर गया। यदि यह पुल यातायात खुलने के बाद गिरता तो न जाने कितनी जानें चली जातीं। आरोप है कि घटिया सामग्री के कारण पुल बनने से पहले गिर गया। शनिवार को सिवान में गंडक नहर पर बना तीस फीट लंबा पुल गिर गया, जो चार दशक पहले बना था। इसी तरह मंगलवार को अररिया में बारह करोड़ की लागत से बना पुल गिर गया था। पुल के तीन पाये ध्वस्त हो गए थे। बिहार में निर्माण कार्यों में धांधलियों का आलम यह है कि पिछले पांच सालों के दौरान दस पुल निर्माण के दौरान या निर्माण कार्य पूरा होते ही ध्वस्त हो गए। उल्लेखनीय है कि बीते साल जून में भागलपुर में गंगा नदी पर करीब पौने दो हजार करोड़ की लागत से बन रहे पुल के गिरने पर भारी शोर मचा था। लेकिन उसके बाद भी हालात नहीं बदले। पुलों के गिरने का सिलसिला यूं ही जारी है। जो बताता है कि नियम-कानून ताक पर रखकर बेखौफ घटिया सामग्री वाले सार्वजनिक निर्माण कार्य जारी हैं। जाहिर है ऊपर से नीचे तक की कमीशनखोरी और जनता की कीमत पर मोटा मुनाफा कमाने वाले ठेकेदारों की मनमानी जारी है। तभी निर्माण कार्य में घटिया सामग्री का उपयोग बेखौफ किया जा रहा है। यदि शासन-प्रशासन का भय होता तो पुल यूं धड़ाधड़ न गिर रहे होते।

सवाल यह उठता है कि आजादी के सात दशक बाद भी हम देश की विकास परियोजनाओं की गुणवत्ता की निगरानी करने वाला तंत्र क्यों विकसित नहीं कर पाए? यह जरूरी है कि सार्वजनिक निर्माण गुणवत्ता का हो और उसका निर्माण कार्य समय पर पूरा हो। इन योजनाओं को इस तरह डिजाइन किया जाए, जिससे कई पीढ़ियों को उसका लाभ मिल सके। साथ ही वह दुर्घटनामुक्त और जनता की सुविधा बढ़ाने वाला हो। मगर विडंबना देखिए कि बिहार के पुल उद्घाटन से पहले ही धराशायी हो रहे हैं। स्पष्ट है कि मोटे मुनाफे के लिए घटिया निर्माण सामग्री का उपयोग किया जा रहा है। वहीं दूसरा निष्कर्ष यह है कि जिन लोगों का काम निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की निगरानी करना होता है, वे आंखें मूंदे बैठे हैं। जो समाज में मूल्यों के पराभव व आपराधिक तत्वों की निर्माण कार्यों में गहरी दखल को ही दशार्ता है। यही वजह है कि भारी यातायात के दबाव वाले दौर में पुल अपना ही बोझ नहीं संभाल पा रहे हैं। यूं तो कभी किसी हादसे की वजह से भी पुल गिर सकते हैं, मगर निरंतर कई पुलों का कुछ ही दिनों में गिरना साफ बताता है कि दाल में काला नहीं बल्कि पूरी दाल ही काली है। जिसमें भ्रष्टाचार की बड़ी भूमिका है। दरअसल, सार्वजनिक निर्माण की गुणवत्ता की यदि समय-समय पर जांच होती रहे तो ऐसे हादसों से बचा जा सकता था। इन हादसों की वजह यह भी है कि राजनेताओं व दबंगों के गठजोड़ से ऐसे लोगों को ठेके मिल जाते हैं, जिनको न तो बड़े निर्माण कार्यों का अनुभव होता है और न ही गुणवत्ता को लेकर किसी तरह की प्रतिबद्धता होती है। निस्संदेह, यह नागरिकों के जीवन से जुड़ा गंभीर मसला है। इसलिये सरकार और निर्माण कार्य से जुड़ी एजेंसियों को इसे गंभीरता से लेना चाहिए। वहीं दूसरी ओर यदि निर्माण कार्य यूं ही ध्वस्त होते रहे तो इससे सरकारी निर्माण कार्य की लागत में बहुत ज्यादा वृद्धि हो जाएगी। सरकारी राजस्व का भी नुकसान होगा। वक्त की मांग है कि सार्वजनिक निर्माण में भ्रष्टाचार रोकने के लिये सख्त कानून बनाये जाएं।

अफगानिस्तान में महिलाओं की दुर्दशा... विश्व समुदाय को ठोस कदम उठाने की जरूरत

अफगानिस्तान में तालिबान को तीसरा साल हो गया है। 15 अगस्त, 2021 को उन्होंने दूसरी बार सत्ता पर कब्जा किया था। उम्मीद की जा रही थी कि महिलाओं के प्रति उनके रवैये में तब्दीली आएगी। उनको शिक्षा पाने की इजाजत भी मिल जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। भारत समेत ऐसे बहुत से देश हैं, जो महिलाओं को शक्तिशाली बनाने में लगे हुए हैं। लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी है,?जबकि दूसरी तरफ अफगानिस्तान में महिलाओं को कोड़े मारे जाते हैं। हाल ही में तालिबान द्वारा 14 महिलाओं और 60 से ज्यादा लोगों को दंड के तौर पर सार्वजनिक तौर पर कोड़े मारे गए, जिसकी सारी दुनिया में निंदा हो रही है। उल्लेखनीय है कि तालिबान के 1990 के दशक के शासन में भी यही होता था। संयुक्त राष्ट्र की संस्था यूएनएचसीआर ने कहा कि नवंबर, 2022 से अप्रैल, 2023 के बीच अफगानिस्तान में ऐसी शारीरिक सजा के 41 से ज्यादा मामले सामने आए हैं, जिनमें 58 महिलाएं और 274 मर्द और बच्चों को अलग-अलग अपराधों के लिए कोड़े मारे गए। नाबालिग और कमसिन बच्चियों को जबरन शादी करने के लिए मजबूर किया जाता है। लड़कियों में खुदकुशी करने की प्रवृत्ति काफी बढ़ रही है। तालिबान ने सत्ता संभालते वक्त वादा किया था कि उन्हें मंत्रिमंडल में शामिल किया जाएगा। लेकिन वे घर से बाहर अकेले नहीं निकल सकतीं और न ही नौकरी कर सकती हैं। अफगानी महिलाएं घर में भी सुरक्षित नहीं हैं। तालिबान ने अफगानी महिलाओं को उनके अधिकारों की रक्षा करने के लिए विश्वास दिलाया था, लेकिन वहां हो कुछ और ही रहा है। पश्चिमी देशों ने अफगानिस्तान को दी जाने वाली मदद पर रोक लगा दी है। अमेरिका और दूसरे पश्चिमी देश ऐसे शासन की मदद नहीं करना चाहते, जिसने लड़कियों की शिक्षा पर रोक लगा रखी है। संयुक्त राष्ट्र की संस्था यूएन वूमेन ने बताया है कि अफगानिस्तान में महिलाओं की स्थिति अत्यधिक चिंताजनक है। उसने वहां महिलाओं का दमन रोकने के लिए वैश्विक कार्रवाई की मांग की है। और कहा है कि अफगानिस्तान में महिलाओं की हालात में सुधार के लिए जरूरी कदम उठाने आवश्यक हैं। तालिबान ने तीन वर्षों के शासन में

सुधार का कोई कदम नहीं उठाया। तालिबान ने सत्ता पर कब्जा करके 70 से ज्यादा ऐसे आधिकारिक फरमान जारी किए हैं। और वे अभी तक कायम हैं, जिसका महिलाओं और लड़कियों के जीवन पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। इस समय 11 लाख लड़कियां स्कूल नहीं जा रहीं और एक लाख से ज्यादा महिलाएं यूनिवर्सिटी में पढ़ाई नहीं कर पा रही हैं। महिलाएं निर्णय लेने का अधिकार हासिल करना चाहती हैं।

अब आसान नहीं रह गया देश पर इमरजेंसी थोपना

25 जून 1975 को जब राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद देश में आपातकाल की घोषणा की गई थी तो उस समय के अधिकांश मंत्रिमंडलीय सहयोगियों को इसकी जानकारी नहीं थी। आज फिर अघोषित इमरजेंसी का आरोप गाहे-बगाहे लगता रहता है। लेकिन सवाल उठता है कि क्या आज घोषित या अघोषित इमरजेंसी का लागू होना संभव है?

भारत में अंतिम बार आपातकाल की घोषणा हुए 49 साल गुजर गए मगर उस दौर की ज्यादतियों की यादें आज भी राजनीतिक क्षेत्रों में गूंजती रहती हैं। खासकर प्रेस की स्वतंत्रता के हनन के लिए वह दौर एक चिरजीवी उदाहरण बन गया। 25 जून 1975 से लेकर 21मार्च 1977 तक चले इतिहास के उस काले दौर से भी पहले देश में युद्धों के दौरान आपातकाल की घोषणाएं हो चुकीं थीं जो कि वास्तव में राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से अपरिहार्य थीं जिनको लेकर देशवासियों को काई ऐतराज नहीं हुआ। लेकिन जून 1975 के आपातकाल की घोषणा से सारा देश इतना विचलित हुआ कि न केवल तत्कालीन सत्ताधारी दल को अपितु तत्कालीन प्रधानमंत्री को भी जनता ने हरा कर सबक सिखा दिया। आज फिर अघोषित इमरजेंसी का आरोप गाहे-बगाहे लगता रहता है। लेकिन सवाल उठता है कि क्या आज घोषित या अघोषित इमरजेंसी का लागू होना संभव है?

भारत में, आपातकालीन प्रावधानों का दुरुपयोग इतिहास के विभिन्न बिंदुओं पर चिंता का विषय रहा है। विशेष रूप से 1975-1977 में घोषित आपातकाल की अवधि के दौरान देशवासियों ने असहनीय उत्पीड़न झेले। लेकिन आज की तारीख में कोई शासक या प्रधानमंत्री चाहकर भी 1975 वाला आपातकाल देश पर लागू नहीं कर सकता, क्योंकि संविधान के 44वें संशोधन के बाद आपातकाल लागू करने के प्रावधान वाला अनुच्छेद 352 तो मौजूद है मगर उसके तहत 1975 का जैसा आपातकाल लागू करना लगभग नामुमकिन ही है।

अब तो अनुच्छेद 356 का बेजा इस्तेमाल भी संभव नहीं है। यही नहीं सुप्रीम कोर्ट को इन परिस्थितियों की समीक्षा करने का पूरा अधिकार हो गया है।

संविधान संशोधन-44 और न्यायिक समीक्षा के साथ ही जनजागरूकता के चलते अब असाधारण युद्धकालीन या संशस्त्र विद्रोह की स्थिति के अलावा आपातकाल की घोषणा नहीं की जा सकती। असाधारण आर्थिक संकट में भी नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन नहीं किया जा सका। यह स्थिति आपातकाल के बाद सुप्रीम कोर्ट भी स्पष्ट कर चुका है।

दरअसल, सत्तर के दशक में जब देश आपातकाल की ज्यादतियों और नागरिक अधिकारों के हनन से कराह रहा था तो 1977 के आम चुनाव में उन्हीं ज्यादतियों के गर्भ से जनता पार्टी के शासन के रूप में एक ऐसे जनादेश का जन्म हुआ जिसकी पहली प्राथमिकता आपातकाल की ज्यादतियों की संभावनाओं को सदा के लिये समाप्त करने की थी।

जनता पार्टी ने 1977 के चुनाव में अपने घोषणापत्र में भी 1976 में किए गए 42वें संविधान संशोधन के प्रावधानों को समाप्त कर आपातकाल लागू होने से पहले की संविधान की स्थिति बहाल करने का वायदा करने के साथ ही ऐसी नई व्यवस्था की बात कही थी जिससे दुबारा कोई आपातकाल के नाम पर नागरिक अधिकारों का हनन न कर सके।

यह संविधान संशोधन विधेयक तत्कालीन कानून मंत्री शांति भूषण द्वारा 16 दिसम्बर 1977 को लोकसभा में पेश किया गया था जिसमें संविधान के 30 से अधिक प्रावधानों में संशोधन का प्रस्ताव था। इसमें 42वें संशोधन के प्रस्तावों को हटाने के प्रस्ताव भी थे। चूंकि संविधान संशोधन में राज्यसभा की स्वीकृति और आधे से अधिक राज्यों की राय भी जरूरी थी इसलिए राज्यसभा द्वारा पारित कराए गए संशोधनों के साथ इसे 7 दिसम्बर 1978 को लोकसभा में पारित कराया जा सका और आधे से अधिक राज्यों से रैटिफिकेशन के बाद इसको तत्कालीन राष्ट्रपति नीलम संजीवा रेड्डी की स्वीकृति 30 अप्रैल 1979 को मिल सकी। 25 जून 1975 को जब राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद देश में आपातकाल की घोषणा की गई थी तो उस समय के अधिकांश मंत्रिमंडलीय सहयोगियों को इसकी जानकारी नहीं थी। जबकि इतना बड़ा फैसला कैबिनेट की सहमति से लिया जाना था और राष्ट्रपति को कैबिनेट की सलाह पर आपातकाल की स्वीकृति देनी थी।

चूंकि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्रियों को विचलन का असाधारण अधिकार प्राप्त है इसलिये उस समय इंदिरा गांधी ने भी बिचलन से राष्ट्रपति को आपातकाल लागू करने की सिफारिश कर दी थी।

विचलन के तहत लिए गए फैसले की औपचारिक जानकारी को प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री द्वारा बाद में अपने मंत्रिमंडलीय सहयोगियों को दी जा सकती है। इसी विचलन के अधिकार का उपयोग करते हुए इंदिरा गांधी ने स्वतः ही निर्णय लेकर राष्ट्रपति को आपातकाल लागू करने की सलाह दे दी थी। देश में पहली बार बिचलन के अधिकार का प्रयोग इतने बड़े फैसले के लिए किया गया था।यह विचलन का अधिकार आज भी है मगर आपातकाल लागू करने के मामले में इस अधिकार को बहुत सीमित कर दिया गया है। संविधान संशोधन 1978 के तहत राष्ट्रपति को अब आपातकाल लागू करने की मामले में सिफारिश को दुबारा विचार के लिए कैबिनेट का लौटाने का अधिकार मिल गया है जबकि पहले यह अधिकार नहीं था। इसलिए प्रधानमंत्री अब मनमानी नहीं कर सकते।

दरअसल, जनता पार्टी सरकार के कार्यकाल में 44वां संशोधन अधिनियम, 1978 को मुख्य रूप से आपातकाल की ज्यादतियों के जवाब में लागू किया गया था। इसने संविधान के अनुच्छेद 352, 356 और 360 के तहत आपातकालीन प्रावधानों में महत्वपूर्ण बदलाव किए। इसने राष्ट्रपति के लिए आपातकाल की घोषणा जारी करने के लिए मंत्रिमंडल की सलाह लेना अनिवार्य कर दिया।

अब घोषणा को एक महीने के भीतर संसद के दोनों सदनों द्वारा अनुमोदित किया जाना चाहिए। इसने राष्ट्रीय आपातकाल की अवधि को छह महीने तक सीमित कर दिया, जब तक कि संसद द्वारा इसे बढ़ाया न जाए। इसने सुनिश्चित किया कि अनुच्छेद 20 और 21 के तहत मौलिक अधिकारों को आपातकाल के दौरान भी निलंबित नहीं किया जा सकता।

यदि राष्ट्रपति संतुष्ट हैं कि गंभीर आपातकाल मौजूद है जिससे भारत या उसके किसी भाग की सुरक्षा युद्ध, बाहरी आक्रमण या सशस्त्र विद्रोह से खतरे में है तो राष्ट्रपति को अनुच्छेद 352 के तहत ऐसे संकट के समय आपातकाल की घोषणा करने का अधिकार है। अब भी अगर आपातकाल की घोषणा जारी की जाती है तो राष्ट्रपति अनुच्छेद 19 के तहत गारंटीकृत मौलिक अधिकारों को निलंबित कर सकते हैं।

राष्ट्रपति घोषित आपातकाल के प्रभावी प्रवर्तन के लिए आदेश भी जारी कर सकते हैं, जिसमें ऐसे उपाय शामिल हो सकते हैं जो कार्यपालिका की सामान्य शक्तियों से परे हैं। लेकिन अब आपातकाल की घोषणा को इसके जारी होने की तिथि से एक महीने के भीतर संसद के दोनों सदनों द्वारा अनुमोदित किया जाना आवश्यक हो गया है।

भारतीय न्यायपालिका यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है कि आपातकालीन शक्तियों का दुरुपयोग न हो। न्यायालयों के पास आपातकाल के दौरान की गई घोषणाओं और की गई कार्रवाइयों की वैधता की समीक्षा करने का अधिकार है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे संवैधानिक प्रावधानों का अनुपालन करते हैं।

इन संशोधनों और कानूनी सिद्धांतों का सामूहिक उद्देश्य भारत में आपातकालीन प्रावधानों के दुरुपयोग को रोकना है, इसके लिए सख्त प्रक्रियात्मक सुरक्षा उपाय लागू करना, आपातकालीन शक्तियों के दायरे और अवधि को सीमित करना और संकट के समय में भी संवैधानिक सर्वोच्चता के सिद्धांत को मजबूत करना है।

इससे पहले 1973 में केशवानन्द भारती बनाम केरल सरकार के मामले में सुप्रीम कोर्ट की अब तक की सबसे बड़ी 13 सदस्यीय बेंच एकमत से स्पष्ट कर चुकी थी कि संसद को संविधान संशोधन के व्यापक अधिकार अवश्य हैं मगर असीमित अधिकार नहीं।

संसद संविधान की मूल भावना को नहीं बदल सकती। जबकि 1946 के 42वें संविधान संशोधन में लोकसभा का कार्यकाल 6 वर्ष करने आदि कई संशोधन कर नागरिक स्वतंत्रताओं पर अंकुश लगा दिए गए थे। इन संशोधनों को संविधान संशोधन 44 से समाप्त कर दिया गया था।

अस्तित्व के जंगल में सभी अकेले... घटते संवाद के कारण मानवीय सहानुभूति भी दम तोड़ देती है

इस हफ्ते की शुरुआत में मेरी एक अंशकालिक सहयोगी ने एक युवक की कहानी सुनाई, जिसकी मात्र दस रुपये के लिए कई लोगों की मौजूदगी में बेरहमी से हत्या कर दी गई। हुआ यों कि वह युवक गोलगप्पे का ठेला लगाता था, वहीं उससे कुछ कदम की दूरी पर एक सब्जी बेचने वाला था, जिसने इससे दस रुपये का एक प्लेट गोलगप्पा उधार लिया था। बाद में उसने पैसे देने से इन्कार कर दिया, तो दोनों के बीच इस बात पर कहा-सुनी हो गई और बात इतनी बढ़ गई कि उस व्यक्ति ने एक बोतल उठाकर गोलगप्पे वाले का गला काट दिया। यह अपराध जितना चौंकाने वाला है, उससे भी ज्यादा चौंकाने वाली बात है कि यह घटना एक व्यस्त और चहल-पहल भरे बाजार में लोगों की नजरों के सामने हुई। मेरी घरेलू सहायिका ने बताया कि लोग सिर्फ देख रहे थे और घटना का वीडियो बना रहे थे। कोई भी न तो उसे बचाने आया और न ही बीच-बचाव करने आया। इसका नतीजा यह हुआ कि दो मासूम बच्चों के बीस वर्षीय पिता ने खून से लथपथ जमीन पर गिरकर दम तोड़ दिया। दुर्भाग्य से यह सार्वजनिक उदासीनता का अकेला मामला नहीं है, बल्कि देश भर के कई शहरों और कस्बों में ऐसा होता है। पिछले हफ्ते न्यूज चैनलों पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें सुबह-सुबह एक युवती को एक ऐसे व्यक्ति ने मार डाला, जिसे उसका पूर्व प्रेमी बताया जा रहा था। यह मामला प्रेम प्रसंग में आई कड़वाहट का लग रहा था। पीठ पर बैग लटकाए हुए उस लड़के ने युवती पर लगातार हमला किया, जबकि वहां खड़े अन्य लोग, खासकर उससे काफी बड़े लोग यह सब देख रहे थे। यह कोई ऐसा मामला नहीं था, जिसमें कोई खतरनाक अपराधी बंदूक या किसी घातक हथियार से लोगों को डरा रहा हो, बल्कि यह एक छोटे कद का लड़का था, जो युवती पर हमला कर रहा था। ऐसी हिंसा के सामने लोगों की यह निष्क्रियता क्या बताती है? पिछले वर्ष एक अन्य लड़के को पत्थर से एक लड़की के सिर को कुचलते हुए देखा गया था, जबकि आसपास खड़े कई लोग मूकदर्शक बने हुए थे। शहर भर में लगे सीसीटीवी कैमरे इन भयावह घटनाओं को कैद करने का बहुत अच्छा काम कर रहे हैं, लेकिन वे यह भी दिखाते हैं कि लोगों की नैतिकता कितनी गिर चुकी है। इन सभी मामलों में और अन्य मामलों में भी तथ्य यह है कि असहाय और असुरक्षित पीड़ित को क्रूरता का सामना करना पड़ता है और लोग हस्तक्षेप नहीं करते हैं। यह हमें न केवल हैरान करता है, बल्कि यह भी बताता है कि एक बार घर से निकलने के बाद आप बिल्कुल अकेले होते हैं। दूसरी तरफ ऐसे भी उदाहरण हैं, जब भले लोगों ने मामले में हस्तक्षेप किया और उन्हें उसकी भारी कीमत चुकानी पड़ी। कुछ साल पहले मुंबई में रुबेन और कीनन नामक दो लड़कों को तब अपनी जान गंवानी पड़ी, जब वे अपने समूह की दो लड़कियों को छेड़खानी करने वालों से बचा रहे थे। उस समय भी काफी सारे लोग अपराधियों को उन्हें पीटते और चाकू घोंपते देख रहे थे, लेकिन किसी ने बीच-बचाव नहीं किया। कीनन तो वहीं मर गया, लेकिन रुबेन 11 दिनों तक अस्पताल में जिंदगी की जंग लड़ता रहा। एक बार फिर यह घटना राष्ट्रीय समाचार बनी। ऐसी घटनाओं पर बाद में आक्रोश जताना और नैतिक रूप से निंदा करना एक नियमित अभ्यास हो गया है, लेकिन वास्तव में कुछ नहीं बदलता है। कीनन और रुबेन की घटना 2011 में हुई थी और अब 2024 में भी हम इन स्थितियों से जूझ रहे हैं। ऐसा लगता है कि ये घटनाएं बहुत दूर नहीं, बल्कि हमारे पड़ोस में हो रही हैं, जैसा कि मेरी घरेलू सहायिका ने बताया। बहुत संभव है कि हममें से कोई भी ऐसी किसी घटना में फंस जाए और बहुत कम मदद मिले। समाज के लोगों के बीच एक अघोषित अनुबंध होता है कि हम एक-दूसरे का ख्याल रखेंगे और खतरों का सामना करते हुए एक-दूसरे के प्रति दयालुता दिखाएंगे। यह एक मानवीय अनुबंध है, जो उन मानवीय मूल्यों और अनुभवों पर आधारित होते हैं, जिन्हें एक समाज के रूप में हम साझा करते हैं। हालांकि अक्सर इस अनुबंध का उल्लंघन होता है। यह बेहद आम है और निर्मम तरीके से होता है, जैसे ट्रैफिक में एंबुलेंस को रास्ता देने या जानलेवा खतरे में पड़े किसी व्यक्ति की मदद करने से इन्कार करना। इस तरह की निष्क्रियता का क्या मतलब है? यह एक मनोवैज्ञानिक स्थिति है, जिसे 'बाईस्टैंडर प्रभाव' कहा जाता है, जो कुछ हद तक इसके बारे में खुलासा करता है। वर्ष 1964 में किट्टी जेनोविस नामक एक महिला बारटेंडर की न्यूयॉर्क में बलात्कार करने के बाद हत्या कर दी गई। मीडिया में छपे एक लेख में दावा किया गया कि 38 लोगों ने कुछ अप्रिय घटना सुनी या देखी, लेकिन किसी ने भी पुलिस को नहीं बुलाया। इससे व्यापक स्तर पर लोगों में दहशत फैली और एक अध्ययन शुरू हुआ, जिसे %बाईस्टैंडर प्रभाव% के नाम से जाना जाता है। पाया गया कि जब किसी सार्वजनिक स्थल पर कोई अपराध होता है, तो वहां मौजूद लोगों में जिम्मेदारी की भावना बिखर जाती है। हर कोई मानता है कि कोई दूसरा आगे बढ़कर हस्तक्षेप करेगा, हर व्यक्ति अपनी व्यक्तिगत भागीदारी से जुड़े जोखिम का हिसाब लगा रहा होता है। यह व्यक्तिगत सोच सामूहिक निष्क्रियता की ओर ले जाती है। इसके अलावा, पुलिस और व्यवस्था की जटिल प्रक्रिया के कारण लोग तुरंत मुंह फेर लेते हैं, उन्हें यह भय रहता है कि अगले कुछ वर्षों तक वे नौकरशाही के चक्कर में फंस जाएंगे। इन सामाजिक और कानूनी पचड़ों के कारण लोग उदासीन होकर मूकदर्शक बन जाते हैं। फिर स्वार्थ का भी एक अनिवार्य कारण होता है, जो आत्मरक्षा का सुझाव देता है। हमारे हाईटेक, इंटरनेट द्वारा संचालित समाजों में दूसरे लोगों से अलग-थलग रहने की प्रवृत्ति तेजी से सामान्य होती जा रही है। इंटरनेट और एआई की सहायता से सोचने वाली मशीनों पर हमारी बढ़ती निर्भरता ने समुदाय के प्रति हमारी भावना में कमी लाई है। यह अन्य मनुष्यों तक हमारी पहुंच को सीमित करता है। समाज के अन्य लोगों के साथ घटते संवाद के कारण धीरे-धीरे मानवीय सहानुभूति भी दम तोड़ देती है। अस्तित्व के जंगल में हम सभी सबसे ऊंची दहाड़ वाले शेर बनना चाहते हैं और अपने अकेले रास्ते पर चलना चाहते हैं, लेकिन इस बात की संभावना ज्यादा है कि हिरणों का झुंड ज्यादा खुश रहता हो, जो संकेतों से एक-दूसरे को सचेत करता है और सह-यात्री के रूप में जीवन बिताता है।

सेल्फी के लिए प्रशंसकों की भीड़ में फंसी जान्हवी

नेटिजन्स बोले- उन्हें सांस लेने की जगह तो दो

अभिनेत्री जान्हवी कपूर कल अपने भाई अर्जुन कपूर के जन्मदिन में शामिल होने के लिए पेरिस से मुंबई लौटी हैं। वे पेरिस फैशन वीक में भाग लेने के लिए वहां गई थीं। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से अपने पेरिस ट्रिप की झलकियों को भी अपने फैंस के संग साझा किया था। वहीं कल उन्हें एयरपोर्ट पर उनके फैंस ने सेल्फी लेने के लिए घर लिया। उस दौरान जान्हवी काफी परेशान नजर आ रही थीं--जान्हवी कपूर हाल ही में फिल्म मिस्टर और मिसेज माही में नजर आई थीं। इस फिल्म में दर्शकों को उनका किरदार काफी पसंद आया था। वहीं आज इंटरनेट पर वायरल हो रहे एक वीडियो में वे एयरपोर्ट पर अपने फैंस के बीच घिरी नजर आ रही हैं। जान्हवी कपूर हाल ही में फिल्म मिस्टर और मिसेज माही में नजर आई थीं। इस फिल्म में दर्शकों को उनका किरदार काफी पसंद आया था। वहीं आज इंटरनेट पर वायरल हो रहे एक वीडियो में वे एयरपोर्ट पर अपने फैंस के बीच घिरी नजर आ रही हैं। वहीं जान्हवी कपूर जब हवाई अड्डे से बाहर निकल कर अपनी कार की ओर बढ़ने लगी तब भी वहां लोगों की भीड़ जुटने लगी। इस दौरान किसी ने उन्हें जन्मदिन की मुबारकबाद भी दे दी। जान्हवी ने उन्हें प्यार से जवाब देते हुए कहा, आज मेरा जन्मदिन नहीं है। सोशल मीडिया पर जान्हवी कपूर की यह वीडियो काफी वायरल हो रही है। नेटिजन्स ने जान्हवी कपूर के प्रति सुहानभूति व्यक्त किया है। एक यूजर ने लिखा है, वे भी इंसान हैं, उन्हें सांस लेने की जगह तो दो। वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा है, अभिनेत्री होने का मतलब नहीं है कि आप उन्हें स्पेस ही नहीं दें।

इला की राजस्थानी सुरलहरियां फिर गूंजेगी पूरी दुनिया में

ध्रूव घाणेकर के नए अलबम की जबर्दस्त चर्चा

संगीतकार ध्रुव घाणेकर का नया अलबम वॉयेज 2 रिलीज के लिए तैयार है। यह साल 2015 में आए वॉयेज का ही विस्तार है, जिसमें दस ट्रैक सुनने को मिलेंगे। वॉयेज 2 की खास बात है कि यह भारतीय लोक संगीत और दुनिया भर की अलग-अलग संगीत परंपराओं को आपस में जोड़ता है। इसमें बाल्कन संगीत, फंक, रेगे, जैज और ब्राजीलियाई सांबा शामिल हैं। सीधे शब्दों में कहा जाए तो वॉयेज 2 में श्रोताओं को भारत और दुनियाभर की संगीत शैलियों का मिश्रण सुनने का मिलेगा।ध्रुव का कहना है कि संगीत स्थिर नहीं है। इसका विकास लगातार हो रहा है। वो बतौर संगीतकार दुनियाभर के संगीत को भारतीय संगीत से जोड़ने को अपनी जिम्मेदारी समझते हैं। वॉयेज 2 के जरिए उनकी कोशिश है कि अलग-अलग शैली को खोजकर उन्हें देश के तमाम इलाकों की लोक धुनों के साथ मिलाया जाए। उदाहरण के तौर पर, सुप्रभातम ट्रैक में ड्रम, बास और हिप-हॉप इफेक्ट के साथ संस्कृत भाषा की प्रार्थनाएं सुनाई देंगी। नाचो ट्रैक में, बाल्कन हॉर्न और अफ्रीकी गिटार के साथ इला अरुण की आवाज सुनने को मिलेगी।वॉयेज 2 के सभी 10 ट्रैक महिलाओं द्वारा ही गाए गए हैं। इसमें राजस्थानी गायिका इला अरुण ने चार गाने गाए हैं। असम की गायिका कल्पना पटवारी ने दो गानों में काम किया है। नंदिनी श्रीकर ने सुप्रभातम को गाया है। वो ध्रुव घनेकर के साथ दो दशक से जुड़ी हुई हैं। जात्रा में वैशाली सामंत की सुरीली आवाज सुनने को मिलेगी।वॉयेज 2 में ड्रमर गीनो बैंक्स, पर्कयुशनिस्ट तौफीक कुरैशी, बास गिटारिस्ट टिम लेफेब्रे और मोहिनी डे ने भी काम किया है। इसमें काम करने वाले कई कलाकार ऐसे हैं, जिनके साथ घनेकर पहले भी काम कर चुके हैं। वॉयेज 2 को 27 जून, 2024 को वाह वाह रिकॉर्ड्स पर रिलीज किया जाएगा। अलबम टूर का एलान होना अभी बाकी है। इसके गीतों को दुनिया भर में सभी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर सुना जा सकेगा।

डिमेंशिया से पीड़ित हैं गेना, अपनी फिल्म दी नोटबुक में भी निभाया था अल्जाइमर रोगी का किरदार्

हॉलीवुड की क्लासिक कल्ट फिल्म द नोटबुक साल 2004 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में गेना रोलैंड्स अहम भूमिका में नजर आई थीं। वे वृद्ध रेचेल मैकएडम्स के किरदार को निभाती दिखी थीं, जो अल्जाइमर से पीड़ित रहती है। वहीं एक तरफ इस फिल्म की रिलीज को जहां 20 वर्ष पूरे हुए हैं वहीं पता चला है कि गेना रोलैंड्स असल जिंदगी में भी पिछले पांच वर्षों से अल्जाइमर से जूझ रही हैं। निर्देशक निक कैसविट्स गेना रोलैंड्स के बेटे हैं। मीडिया से बातें करते हुए उन्होंने कहा, मेरी मां को पिछले पांच वर्षों से अल्जाइमर है। मेरी मां ने फिल्म दी नोटबुक एली का किरदार निभाया था और एली को भी यही बीमारी थी। वे भी अल्जाइमर से पीड़ित थी। मां ने फिल्म में जिस बीमारी का अभिनय किया असल जिंदगी में उन्हें वही बीमारी हो गई है। मैं बता नहीं सकता हूं कि मैं कैसा महसूस कर रहा हूं। निक कैसविट्स आगे कहते हैं, मैंने अपनी मां को बड़ी उम्र की एली की भूमिका निभाने के लिए कहा था। मुझे नहीं पता था कि मां उसी रोग से ग्रसित हो जाएंगी। यह बेहद आश्चर्यजनक है। ऐसे कैसे हो सकता है। मां ने उस रोल को निभाने के लिए काफी रिसर्च किया था ताकि फिल्म में सब कुछ एकदम प्रमाणिक दिखे। उन्होंने तो फिल्म में सिर्फ एक्टिंग किया था, लेकिन हम हर दिन इसे जी रहे हैं। यह बहुत ही पीड़ादायक है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो गेना रोलैंड की मां भी अल्जाइमर रोग से पीड़ित थीं। साल 2004 में गेना ने एक मैगजीन को साक्षात्कार दिया था। उस दौरान उन्होंने कहा था, मेरी मां भी अल्जाइमर से पीड़ित थीं। मैंने उन्हें देखने के बाद फिल्म में एली की भूमिका निभाने का निर्णय लिया था। यह मेरे लिए काफी कठिन था। अगर निक ने फिल्म का निर्देशन नहीं किया होता, तो मुझे नहीं लगता कि मैं यह किरदार निभा पाती। यह एक शानदार फिल्म थी।

एनसीईआरटी को ये नहीं पता, इतिहास तो और भी बहुत कुछ है, किताबों से बाहर भी है

मीरा नायर की फिल्म 'मॉनसून वेडिंग' से अपनी अभिनय यात्रा शुरू करने वाली अभिनेत्री तिलोत्तमा शोम ने स्वतंत्र फिल्म निर्माताओं की फिल्मों 'शैडोज ऑफ टाइम', 'द वेटिंग सिटी', 'टर्निंग 30' और 'सर' से सिनेमा में अपनी खास जगह बनाई। फिल्म 'सर' के लिए वह फिल्मफेयर पुरस्कार भी जीत चुकी हैं। तिलोत्तमा इन दिनों नेटफ्लिक्स की सीरीज 'कोटा फैक्ट्री' के तीसरे सीजन में केमिस्ट्री टीचर पूजा दीदी के किरदार में नजर आ रही हैं। सीरीज के मुख्य किरदारों जितेंद्र कुमार और तिलोत्तमा से 'अमर उजाला' के सलाहकार संपादक पंकज शुक्ल ने एक खास मुलाकात की। यहां पढ़िए इस वीडियो इंटरव्यू में तिलोत्तमा से हुए सवालों पर मिले उनके जवाबों के कुछ अंश...टीचिंग एक नोबल प्रोफेशन है जिसमें एक आदमी सीखने के बाद जीवन भर बांटता ही रहता है। आपको जब टीचर का रोल मिला तो आपके अपने कौन से टीजर उस समय जहन में आए होंगे, जिन्होंने आपको बहुत कुछ सिखाया? मैं बहुत लकी हूं क्योंकि मेर लाइफ में ऐसे बहुत सारे टीचर्स हैं। स्कूल के दौरान मेरी एक हिस्ट्री टीचर थीं पूर्णिमा गर्ग। हमें नहीं पता था कि वो हमसे प्यार करती थीं या नहीं लेकिन वह अपने विषय से बहुत प्यार करती थीं और चूंकि वह अपने विषय इतिहास से बहुत प्यार करती थीं लिहाजा वह हमें ये सिखा सकीं कि एक छात्र के तौर पर इतिहास सिर्फ वही नहीं है जो किताबों में हैं...ये सिर्फ एक नजरिया है इतिहास को देखने का। सिर्फ एक संस्करण। ऐसे बहुत सारे इतिहास हैं। मौखिक इतिहास हैं जैसे कहानियां, जिसको जितना पता रहा होगा, उसने उतना लिख दिया अगर आफ बुद्धिज्म में देखें कि वो कैसे लिखा गया है, दस आई हर्ड कि मैंने ऐसे सुना। मैं साइंस की स्टूडेंट थी 12वीं तक। बायो, केमिस्ट्री और फिजिक्स की ही पढ़ाई की और मुझे इस कॉम्बीनेशन से प्यार भी था। प्यार इसलिए कि मेरे पिता के एक मित्र बहुत ही अच्छे भौतिकशास्त्री थे। मेरे माता पिता को मुझसे पढ़ाई को लेकर कोई उम्मीदें नहीं थी लेकिन पता नहीं कैसे मेरे दिमाग में ये बात घर कर गई कि मैं पढ़ाई में अच्छी नहीं हूं। मैं समझ नहीं पा रही थी। मुझे चीजें याद नहीं रहती थी। हमें हर चार साल में जगह बदलनी होती थी क्योंकि पापा एयरफोर्स में थे तो पढ़ाई का माध्यम भी बदल जाता था..हां, मैं उसी का जवाब देने की कोशिश कर रही हूं। अध्ययन के मामले में मुझे बहुत ही कमजोर छात्र माना जाता था। मुझे खुद से कोई बेहतरी की उम्मीद नहीं थी मेरे माता पिता को भी मुझसे कोई उम्मीद नहीं थी। लेकिन, जब मैं अपने पापा के इन मित्र से मिली। उन्हें सितार बजाना बहुत पसंद था तो जब मैं उनके पास पढ़ने जाती तो वह कक्षा की शुरुआत सितार वादन से करते। फिर खुद ही जाकर चाय बनाते और फिर बागवानी करते समय वह मुझे कुछ सूत्र समझाना शुरू करते और तब मुझे ये एहसास होना शुरू हुआ कि मुझे तो फिजिक्स से प्यार हो रहा है। क्यों वह इतने आराम से वह सब कुछ कर रहे थे? छात्रों के बारे में जो हम ये धारणा बना लेते हैं कि ये इस विषय में तेज और इस विषय में कमजोर है तो कई बार ये कमजोरी बस किसी अच्छे शिक्षक का इंतजार कर रही होती है।

इंडियन में काम नहीं करना चाहते थे कमल हासन, फिल्म से किनारा करने के लिए निकाली थी यह तरकीब

तमिल सुपरस्टार कमल हासन फिल्म कल्कि 2898 एडी के अलावा अपनी फिल्म इंडियन 2 को लेकर भी काफी यादा चर्चा में हैं। यह फिल्म जल्द ही बड़े पर्दे पर दस्तक देने वाली है। 28 साल बाद कमल इस सीक्वल फिल्म में सेनापति के किरदार में वापसी कर रहे हैं। हाल ही में इस फिल्म के हिंदी संस्करण का ट्रेलर लॉन्च इवेंट मुंबई में आयोजित किया गया। इस दौरान कमल हासन के साथ फिल्म की टीम मौजूद रही। कार्यक्रम के दौरान कमल हासन ने कई दिलचस्प बातें लोगों के साथ साझा कीं। वहीं, फिल्म के पहले भाग हिंदुस्तानी को लेकर उन्होंने बड़ा खुलासा भी किया। अभिनेता ने बताया कि साल 1996 में आई हिंदुस्तानी में काम करने का उनका बिल्कुल भी इरादा नहीं था। कमल हासन ने कहा कि उन्होंने अपनी फीस इस वजह से बढ़ा दी थी कि शंकर यह सुनकर खुद ही पीछे हट जाएंगे, लेकिन निर्माताओं ने उनकी मांग पूरी कर दी।कमल ने कहा, आज शंकर जैसे हैं, मैंने अनुभव के साथ पहली फिल्म में ही उनमें इन सभी गुणों को देखा है। वह फिल्म को लेकर बहुत आश्वस्त थे। वास्तव में मैं इस फिल्म में काम करने का बहुत इछुक नहीं था, क्योंकि मेरे पास एक और फिल्म थी जो बहुत हद तक वैसी ही थी। अभिनेताओं के साथ अक्सर ऐसा होता है कि वे एक फिल्म करना चाहते हैं और दूसरी फिल्म नहीं। मेरे साथ भी यही समस्या थी, लेकिन वह (शंकर) कभी नहीं माने। इसलिए मैंने अपनी फीस बढ़ा दी। फिल्म के निर्माता नहीं मान रहे थे, लेकिन निर्देशक ने निर्मातओं से कहा कि अगर मैं फिल्म बनाऊंगा तो मैं इसे केवल उन्हीं (कमल हासन) के साथ बनाऊंगा। वह एक बहुत ही समझदार और अनुभवी निर्देशक की तरह इस फिल्म को लेकर आश्वस्त थे। उनके इस गुण ने मुझे बहुत आश्चर्यचकित किया। कार्यक्रम के दौरान शंकर और कमल ने यह भी पुष्टि की कि इंडियन 2 मूल फिल्म से जुड़ी हुई है। फिल्म में कमल अपनी भूमिका को दोहराते नजर आने वाले हैं। हालांकि, फिल्म की स्टारकास्ट काफी यादा बदल गई है। इसमें सिद्धार्थ, काजल अग्रवाल, रकुल प्रीत सिंह, समुथिरकानी, प्रिया भवानी शंकर और बॉबी सिम्हा शामिल हैं। शंकर ने दिवंगत अभिनेता विवेक और नेदुमुदी वेणु को बड़े पर्दे पर जीवंत करने के लिए सीजीआई और बॉडी डबल्स का भी इस्तेमाल किया है। कार्यक्रम के दौरान कमल ने इंडियन 2 के बजट के बढ़ जाने पर भी बात की। उन्होंने स्वीकार किया कि कोरोना संक्रमण काल और सेट पर हुई दुखद मौतों ने रिलीज में देरी की। अभिनेता ने प्रोजेक्ट को लेकर प्रतिबद्ध रहने वाले निर्देशक और निर्माण कंपनी लाइका प्रोडक्शंस की भी जमकर प्रशंसा की। फिल्म की रिलीज डेट की बात करें तो इंडियन 2 12 जुलाई को बड़े पर्दे पर दस्तक देने वाली है।

कभी फिल्मों में नेता बनते थे सुरेश गोपी, आज केंद्र सरकार में संभाल रहे दो-दो मंत्रालय

मलयालम फिल्म इंडस्ट्री के सुपरस्टार और राजनेता सुरेश गोपी आज अपना 66वां जन्मदिन मना रहे हैं। उनका जन्म 26 जून, 1958 को केरल के अलप्पुझा में हुआ था। हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में उन्होंने केरल की त्रिशूर लोकसभा सीट से बीजेपी के टिकट पर जीत हासिल करके इतिहास रच दिया। उन्हें केंद्र सरकार में पर्यटन और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राय मंत्री भी बनाया गया है। मलयालम फिल्म इंडस्ट्री के सुपरस्टार और राजनेता सुरेश गोपी आज अपना 66वां जन्मदिन मना रहे हैं। उनका जन्म 26 जून, 1958 को केरल के अलप्पुझा में हुआ था। हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में उन्होंने केरल की त्रिशूर लोकसभा सीट से बीजेपी के टिकट पर जीत हासिल करके इतिहास रच दिया। उन्हें केंद्र सरकार में पर्यटन और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राय मंत्री भी बनाया गया है। सुरेश गोपी ने साल 1965 में बतौर बाल कलाकार अपने अभिनय करियर का श्रीगणेश किया था। साल 1992 में उन्होंने थलस्तानम फिल्म में लीड रोल अदा किया था। इस फिल्म का निर्देशन शाजी कैलास ने किया था। इसके अगले ही साल उन्होंने एकलव्यन फिल्म की, जिससे लोग उन्हें जानने लगे थे। इस फिल्म का निर्देशन भी शाजी कैलास ने ही किया था। साल 1995 में रिलीज हुई हाईवे फिल्म तो 100 से भी यादा दिनों तक सिनेमाघरों में चली थी। इस फिल्म में उन्होंने एक रॉ अधिकारी का रोल किया था। दर्शकों ने सुरेश गोपी को पुलिस के किरदार में भी खूब पसंद किया। साल 2015 में रिलीज हुई आई फिल्म के बाद सुरेश गोपी ने एक्टिंग से चार साल का लंबा ब्रेक ले लिया था। फिर 2020 में थमिलारसन फिल्म से परदे पर वापसी की थी।

जिलाधिकारी के माध्यम से राष्टपति को 12 सूत्रीय मांग पत्र भेजा, मांग पत्र सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा गया

सैकड़ों किसानों ने जिलाधिकारी कार्यालय पर नारेबाजी करते हुए जोरदार प्रदर्शन किया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, कलेक्ट्रेट पार्क में भारतीय किसान यूनियन वर्मा व पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने बैठक के बाद जिलाधिकारी कार्यालय पर नारेबाजी करते हुए जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान जिलाधिकारी के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति के नाम 12 सूत्रीय मांग पत्र भेजा गया। मांग पत्र सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा गया। प्रदर्शन से पहले भारतीय किसान यूनियन वर्मा व पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए भारतीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश बड़ा राज्य होने के कारण यहां समस्याओं का अंबार है। प्रदेश की 25 करोड़ जनसंख्या गरीबी, महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार से जूझ रही है इसलिए उत्तर प्रदेश को चार भागों में बांटकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 26 जिलों को मिलाकर पृथक पश्चिम प्रदेश का निर्माण किया जाए। पृथक पश्चिम प्रदेश बनने पर यहां शिक्षा और चिकित्सा अंतरराष्ट्रीय स्तर की होगी और यहां के शिक्षित युवाओं को सरकारी नौकरी मिलेगी। यहां प्रति व्यक्ति वार्षिक आय देश में ही नहीं दुनिया में

सबसे अधिक होगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा ने कहा कि यहां लगातार बढ़ती हुई समस्याओं का एकमात्र हल पृथक पश्चिम प्रदेश का निर्माण ही है। जिसके लिए बड़े संघर्ष की तैयारी शुरू कर दी गई है। वर्मा ने कहा कि बड़ा प्रदेश होने के कारण यहां कानून व्यवस्था चौपट है और किसानों, मजदूरों और गरीबों को उनका हक नहीं मिल पा रहा हैं। भगत सिंह वर्मा ने कहा कि केंद्र की एनडीए सरकार किसानों को उनकी फसलों का लाभकारी मूल्य दिलाए, देश के किसानों के सभी कर्ज माफ करें, मनरेगा योजना को सीधा खेती से जोड़कर किसानों को मजदूर उपलब्ध कराए, 58 वर्ष से अधिक उम्र के किसानों को ?10000 प्रति माह वृद्धावस्था पेंशन दिलाई जाए, सभी हाईवे और सड़कों से टोल टैक्स समाप्त किया जाए, डीजल-पैट्रोल और गैस के दाम कम किए जाए, देश के अन्नदाता किसानों की निश्चित आय करने के लिए राष्ट्रीय आय आयोग का गठन किया जाए, किसानों को उनकी फसलों का लाभकारी मूल्य दिलाने के लिए डॉक्टर एम एस स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट को लागू किया जाए।म, गांव को आत्मनिर्भर बनाने के लिए गांव में छोटे-छोटे कुटीर उद्योग धंधे स्थापित किए जाएं। बैठक को संबोधित करते हुए भारतीय किसान यूनियन वर्मा के राष्ट्रीय सलाहकार हाफिज मुर्तजा त्यागी व राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ अशोक मलिक ने कहा कि अब देश के अन्नदाता किसान अपनी उपेक्षा किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे और सरकार से अपने हकों के लिए लड़ाई लड़ते रहेंगे। बैठक को संबोधित करते हुए भारतीय किसान यूनियन वर्मा के प्रदेश उपाध्यक्ष पंडित नीरज कपिल व प्रदेश महामंत्री असीम मलिक ने कहा कि पृथक पश्चिम प्रदेश निर्माण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है जिसके लिए युवा शक्ति को आगे जाकर संघर्ष करना होगा। बैठक को संबोधित करते हुए महानगर अध्यक्ष मोहम्मद जहीर तुर्की ने कहा कि महानगर में संगठन को मजबूत किया जाएगा और किसानों के लिए संघर्ष जारी रहेगा।बैठक में पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के जिलाध्यक्ष सुशील धारकी, प्रदेश मंत्री ऋषिपाल प्रधान गुर्जर, जिला उपाध्यक्ष मांगेराम यादव, जिला उपाध्यक्ष वसीम जहीरपुर, जिला मंत्री मुकर्रम प्रधान, जिला मंत्री महबूब हसन, महानगर उपाध्यक्ष डॉक्टर कलीमउर्ररहमान, हाजी बुद्धू हसन, जिला संगठन मंत्री सुरेंद्र सिंह एडवोकेट, मंडल उपाध्यक्ष चौधरी कृपाल सिंह, नीरपाल सिंह गुर्जर, कृष्ण पाल गुर्जर, जोगिंदर सिंह, कालू सिंह, कृष्ण कुमार, मोहम्मद अब्दुल सलाम, मनोज कुमार बबलू, सुमित वर्मा जोशी समेत सैकड़ो लोगों ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता हरेंद्र सिंह प्रधान आमकी ने की और संचालन राष्ट्रीय सलाहकार हाफिज मुर्तजा त्यागी ने किया।

कला ऐसी की सामने वाले को देखते ही चंद मिनटों में उतार देती है केनवास में...

मेहर की शेफाली को स्केच कला में महारत मिली

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ

सतना – मैहर, जिले के कटरा बाजार में रहनी वाली चित्रकार शेफली ताम्रकार 21 वर्ष की कला इलाके में चर्चा का विषय है। शेफाली एक से बढ़कर एक कलाकृति बनती है। कोरोना काल में जब लॉकडाउन लग जाने के बाद स्कूल बंद होने से बच्चो की पढ़ाई बाधित होई, कुछ बच्चे ऐसे भी थे जिन्होंने आपदा को अवसर में बदल दिया, शेफाली ने भी लॉकडाउन में स्कूल बंद होने पर अपने हुनर और समय का सही उपयोग किया । शेफाली ने यूट्यूब और अपनी मेहनत से स्केच बनाना सीखा,तीन से चार महीनों की प्रैक्टिस के बाद उन्हें इसमें महारत हासिल हो गई। उनकी शिक्षा की अगर बात करें तो मैहर से सिमरन पब्लिक स्कूल से प्रारंभिक शिक्षा शुरू करने के बाद वर्तमान में श्री राम कृष्ण कॉलेज में फाइनल ईयर स्टूडेंट है। शेफाली अपने हुनर से कई हस्तियों को पेंसिल से उकेर चुकी अब उन्हें एक स्केच बनाने में मात्र चांद मिनट ही लगते है।

शेफाली ने बताया की अब तक उन्होंने 100 से ज्यादा स्केच बना चुकी है, शेफाली इस कला को वह विश्व स्तर पर स्थापित कर सके । उनकी एक मात्र इच्छा यह है, की उसकी इस कला से उसके कम उम्र के गरीब छात्र भी प्रशिक्षण लेकर आगे बढ़ने और अपने पैरो पर खड़ा होने का संकल्प ले। शेफाली द्वारा गरीब और छोटे बच्चो को चित्रकला अपने घर में ही सीखा रही है। और जो उनके अंदर जो कला है वो बच्चो तक पहुंचा रही है,जिससे मैहर जिले के साथ साथ सतना और मध्यप्रदेश का भी नाम रोशन हो सके । इसके लिए वह लगातार अपनी कला को निखार देकर उसमे अधिक चमक पैदा कर रही है।शेफाली के परिवार वालों ने अपनी बेटी को इच्छा शक्ति और पढ़ाई के साथ साथ पेंट और ब्रश के प्रति उसका प्रेम देख उसे आगे बढ़ाने का पूरा प्रयास किया, शेफाली के द्वारा स्केच बना के सोसल मीडिया जैसे इंस्टाग्राम आईडी में शेयर किया जाता है।

राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष ने सहारनपुर में की मण्डलीय समीक्षा बैठक

एक युद्ध-नशे के विरुद्ध एवं भिक्षा से शिक्षा की ओर चलाएं अभियान : डॉ देवेन्द्र शर्मा

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, उत्तर प्रदेश राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष डॉ0 देवेन्द्र शर्मा की अध्यक्षता में सर्किट हाउस सभागार में विभिन्न विभागों के मण्डलीय अधिकारियों के साथ मण्डलीय समीक्षा बैठक आहूत की गयी। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चन्द्र, मुख्य विकास अधिकारी शामली विनय कुमार तिवारी, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 अर्चना द्विवेदी, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व मुजफ्फरनगर गजेन्द्र कुमार द्वारा संयुक्त रूप से माँ शाकुम्भरी का चित्र एवं अंगवस्त्र भेंटकर मा0 अध्यक्ष का स्वागत किया गया। डॉ0 देवेन्द्र शर्मा द्वारा मिशन वात्सल्य योजना की जानकारी प्रदान करते हुए मण्डल में बाल विवाह की रोकथाम, बाल श्रम की रोकथाम, बाल भिक्षावृत्ति, बाल तस्करी, बाल यौन शोषण पर पूर्णरूप से रोक लगाने हेतु मण्डल के सभी अधिकारियों को कड़ाई से निर्देशित किया तथा अभियान चलाकर जनसामान्य को जागरूक करने के निर्देश दिए। उन्होने मण्डल के सभी जिलास्तरीय अधिकारियों को नशे के विरूद्ध अभियान चलाकर बच्चों को नशा मुक्त करने का प्रयास करने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये तथा रेस्क्यू किये गये सभी बच्चों को अनिवार्य रूप से बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया। उत्तर प्रदेश राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष डॉ देवेंद्र शर्मा ने सर्किट हाउस में अधिकारियों के साथ बैठक कर एक युद्ध-नशे के विरुद्ध संचालित अभियान की प्रगति के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि नशा छोटे-छोटे बच्चों के चेहरे की मुस्कान को समाप्त कर रहा है। जाने अनजाने में किया जा

रहा नशा बच्चों का भविष्य खराब करने के साथ ही आगे चलकर क्राइम को भी बढ़ावा देने का कार्य कर रहा है। हम सभी को चाहिए कि टीम भावना के साथ कार्य करते हुए नशे के कारोबार का समूल खात्मा कराएं। उन्होंने कहा कि विद्यालयों के आसपास धूम्रपान की दुकानें ना लगें। बाल विवाह एवं भिक्षावृत्ति पर पूरी तरह से रोक लगाई जाए। उन्होंने विद्यालयों में प्रहरी क्लब बनाकर नशे के बारे में जनजागृति लाए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा की मुख्यमंत्री बच्चों एवं महिलाओं के भविष्य के प्रति काफी संवेदनशील हैं। कोरोना संक्रमण काल से प्रभावित बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना का संचालन के तहत जनपद में बच्चों के लालन-पालन के लिए 4000 प्रति माह अभिभावकों के खाते में भेजे जा रहे हैं। कन्या सुमंगला योजना में बेटियों को 25000 की धनराशि का लाभ दिया जा रहा है। अप्रिय दुर्घटना से प्रभावित बच्चियों को रानी लक्ष्मीबाई योजना का लाभ दिया गया है। उन्होंने कहा कि जन सामान्य के सहयोग एवं जागरूकता के माध्यम से हम सभी को चाहिए कि नशे के विरुद्ध अभियान चलाकर बच्चों के चेहरे पर मुस्कान होनी चाहिए। अध्यक्ष द्वारा उ0प्र0 मुख्यमंत्री बालसेवा योजना(सामान्य), स्पॉन्सरशिप योजना, उ0प्र0 मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, पति की मृत्यु के उपरान्त निराश्रित महिला पेंशन योजना से जनसामन्य को अधिक से अधिक लाभान्वित कराने की कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया।

जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चन्द्र द्वारा अध्यक्ष को सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न लाभार्थीपरक योजनाओं से अधिकाधिक लाभार्थियों को लाभान्वित कराने के सम्बन्ध में अवगत कराया गया। उन्होंने आश्वस्त कराया कि आपके द्वारा दिये गये निर्देशों का अक्षरश: अनुपालन कराया जाएगा। जिला प्रोबेशन अधिकारी अभिषेक कुमार पाण्डेय द्वारा जनपद में संचालित लभार्थीपरक योजनाओं की प्रगति से मा0 अध्यक्ष को जनपद में उ0प्र0 मुख्यमंत्री बालसेवा योजना(कोविड/सामान्य), स्पॉन्सरशिप योजना, उ0प्र0 मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, पति की मृत्यु के उपरान्त निराश्रित महिला पेंशन योजना के विषय में जानकारी प्रदान की गयी तथा बाल विवाह, बाल श्रम, बाल भिक्षावृत्ति की रोकथाम हेतु कार्यवाही किये जाने की जानकारी प्रदान की गयी।बैठक में मुख्य विकास अधिकारी शामली विनय कुमार तिवारी, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 अर्चना द्विवेदी, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व मुजफ्फरनगर गजेन्द्र कुमार, एसपी यातायात सिद्धार्थ वर्मा, मुख्य चिकित्साधिकारी सहारनपुर डॉ0 संजीव मांगलिक, मुख्य चिकित्साधिकारी शामली, जिला आबकारी अधिकारी मुजफ्फरनगर राकेश बहादुर, जिला कार्यक्रम अधिकारी सहारनपुर नन्दलाल प्रसाद, जिला कार्यक्रम अधिकारी मुजफ्फरनगर संजय यादव, अपर नगर आयुक्त एस0के0तिवारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी व अन्य जिला स्तरीय अधिकारी, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष एवं सदस्य उपस्थित रहे।

कटनी में सैकडो कबाडियो पहुंचे एसडीएम और नगर निगम कार्यालय

दुकान और गोदामों को सील किए जाने पर करा कार्यालयों का घेराव

सुनील यादव । सिटी चीफ

कटनी, कटनी जिले के सैकडो कबाडियो अपने परिजनों के साथ एसडीएम और नगर निगम कार्यालय का घेराव करने पहुंचे जिसके साथ एक समाज सेवी अपने पूरे शरीर पर जंजीर से जकड़ पहुंचा था सभी ने जिला प्रशासन का अर्थी जलूस निकाल एसडीएम कार्यालय और उसके बाद नगर निगम कार्यालय पहुंचे थे। ये सभी जिला प्रशासन द्वारा इनकी कबाडियो की दुकान और गोदामों को सील किए जाने से नाराज थे। ये सभी जिला प्रशासन द्वारा शहर के अंदर बने कबाडियो की दुकान व गोदामों को बंद करने की कार्यवाही से नाराज है जिन्हे कुछ दिन पहले ही जिला प्रशासन ने सील कर दिया है। नाराज सभी

कबाड़ी कारोबारी अपने परिजनों के साथ जिला प्रशासन की इस कार्यवाही के खिलाफ जिला प्रशासन का अर्थी जलूस निकाल पहले एसडीएम कार्यालय पहुंचे और ज्ञापन दिया जिसके बाद सभी नगर निगम गेट पर धरना दे दिया इस सभी कबाडियो मांग थी की उन्हे शहर से बाहर जाने के पहले उनकी व्यस्था की जाए और उन्हे कुछ दिनों की महोलत दी जाए। इस आंदोल में एक समाज सेवी ए के खान आकर्षण केंद्र बने हुए दिखाई दिए ए के खान में अपने पूरे शरीर को जंजीर से जाकर एसडीएम और नगर निगम कार्यालय इन कबाडियो के साथ पहुंचे थे।

कटनी में कुख्यात आरोपी किस्सू तिवारी को न्यायालय ने सुनाई सजा

घटनाक्रम के 37 साल बाद दी आजीवन कारावास की सजा

सुनील यादव । सिटी चीफ ।

कटनी के जिस फैसले का लोग लंबे समय से इंतजार कर रहे थे वह फैसला आखिरकार आज न्यायालय ने सुना ही दिया। हत्याकांड के कुख्यात आरोपी किस्सू तिवारी को न्यायालय ने घटनाक्रम के 37 साल बाद आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। कुख्यात आरोपी किस्सू तिवारी काफी समय से फरार चल रहा था, जिस पर पुलिस ने आरोपी को 22 मई को अयोध्या से गिरफ्तार कर कटनी न्यायालय में पेश किया था। न्यायालय द्वारा आज किस्सू तिवारी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। कटनी के निवासी राजेंद्र उर्फ देऊ सिंधी से मारपीट कर भट्टे में फेंक कर किस्सू तिवारी ने 31 दिसंबर 1986 की रात में उसकी हत्या कर दी थी। 2 जनवरी 1987 को भट्टे में उसका शव पाया गया था। आरोपी किस्सू तिवारी के कटनी के अलावा जबलपुर व इंदौर में भी अपराध दर्ज है। किस्सू तिवारी पर हत्या, अपहरण, हत्या के प्रयास सहित 22 मामले दर्ज है। कुख्यात अपराधी किस्सू तिवारी को पंचम अपर जिला सत्र न्यायाधीश ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। किस्सू ने युवक का अपहरण कर उसे जिंदा चूने के भट्टे के डाल दिया था। जिले के कुख्यात अपराधी किस्सू उर्फ किशोर तिवारी पर एक युवक का अपहरण कर उसे जिंदा चूने के

भट्टे में डाल देने के मामले में जिला न्यायालय में सुनवाई चल रही थी। सोमवार को मामले में फैसला आने की संभावना थी। सुबह से जिला न्यायालय में पुलिस बल तैनात रहा। दोपहर बाद न्यायालय ने मामले की सुनवाई करते हुए किस्सू तिवारी को मामले में जहां दो धाराओं में दोषमुक्त किया है तो वहीं हत्या के मामले में उसे दोषी पाया है।जिसमें कटनी के अलावा जबलपुर व इंदौर में भी उसने अपराध किए थे। कोतवाली थाना क्षेत्र के वर्ष 1987 में राजेन्द्र डेऊं नामक युवक को किस्सू उसके घर से पार्टी के लिए लेकर गया था और खाना खाने के बाद ढाबे में उसके साथ मारपीट की थी। साथ ही दस किमी. दूर ले जाकर चूने के जलते भट्टे में उसे झोंक दिया था। दूसरे दिन उसका जला हुआ शव भट्टे से पुलिस ने बरामद किया था। सन 2021 में डेऊ की हत्या में सजा सुनाने के दौरान किस्सू तिवारी फरार हो गया था। 2015 में पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था और उसके बाद वह जमानत पर छूटा था। वर्ष 2021 में डेऊ की हत्या के मामले में उसे जब न्यायालय सजा सुनाने वाली थी तो वह फरार हो गया था। पुलिस उसकी तलाश कर रही थी और हाईकोर्ट के दबाव के चलते कुछ दिन पहले ही उसे उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वह अयोध्या उप्र में रामलला के दर्शन करने पहुंचा था। तब कटनी पुलिस ने मुखबिरों की सूचना पर अयोध्या से अरेस्ट कर जिला न्यालय में पेश किया था। लंबे समय से इंतजार कर रहे थे वह फैसला आखिरकार आज न्यायालय ने सुना ही दिया। हत्याकांड के कुख्यात आरोपी किस्सू तिवारी को न्यायालय ने घटनाक्रम के 37 साल बाद आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

पत्रकार सुरक्षा एवं कल्याण परिषद का अधिवेशन 26 जून को

पत्रकारों की मांगो और सुरक्षा के संबंध में एक समीक्षा बैठक का आयोजन होगा

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ सतना, हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पत्रकार सुरक्षा एवं कल्याण परिषद का अधिवेशन जून माह की 26 जून दिन बुधवार को होना सुनिश्चित हुआ है। कार्यक्रम के आयोजन के संबंध में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अंकित शर्मा एवं राष्ट्रीय सचिव विष्णु गुप्ता ने बताया कि पत्रकारों की प्रमुख मांगो और पत्रकारों के सुरक्षा के संबंध में एक समीक्षा बैठक के साथ कार्यक्रम का आयोजन सुनिश्चित किया गया है जिसके मुख्य अतिथि श्रेयांश समदरिया विशिष्ठ अतिथि कल्पना वर्मा,सतीश सुखेजा,मनोज शर्मा,मनोहर वाधवानी,संतोष सोनी,जनार्दन शुक्ला,कमलेश यादव, अमोल मोहने,संजय शाह,आशीष तिवारी, डॉक्टर अवधराज सिंह होंगे,साथ ही देश-प्रदेश के वरिष्ठ पत्रकारों का समागम होगा साथ ही पत्रकारों के हितार्थ विभिन्न मुद्दों पर भी चर्चा एवं परिचर्चा का कार्यक्रम रखा जाएगा साथ ही प्रदेश जिला एवं राष्ट्रीय कमेटी का भी चयन करते हुए नियुक्तियां की जाएगी।

जनसुनवाई में आवेदन देने पहुंचे पूर्व विधायक लक्ष्मण सिंह

चांचौड़ा विधायक के देवर पर एफआईआर दर्ज करने की मांग

रणधीर चंदेल । सिटी चीफ

गुना, गुना के चांचौड़ा विधायक प्रियंका पेंची के देवर अनिरूद्ध सिंह मीना पर लग रहे आरोपों के मामले में पूर्व विधायक लक्ष्मण सिंह मंगलवार को जनसुनवाई में आवेदन देने पहुंच गए। उन्होंने कृषि उप संचालक अशोक कुमार उपाध्याय की लिखित शिकायत पर संज्ञान लेकर अनिरूद्ध सिंह मीना और उनके सहयोगी वीरेंद्र सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की मांग की है। लक्ष्मण सिंह ने कहा है कि विधायक के देवर ने चुनाव में खर्च की गई राशि का हवाला देकर 50 लाख रुपए की मांग की है, इन आरोपों को गंभीरता से लेकर विधानसभा अध्यक्ष द्वारा जांच की जाना चाहिए। यह गंभीर मामला है, इससे मध्यप्रदेश सरकार ही नहीं

बल्कि पीएम मोदी की छवि प्रभावित हो रही है। लक्ष्मण सिंह ने मध्यप्रदेश सरकार पर आरोप लगाया है कि सरकार एक अधिकारी की सुरक्षा नहीं कर पा रही है तो जनता की सुरक्षा कौन करेगा?

जनसुनवाई में आवेदन देते समय जिला कांग्रेस अध्यक्ष मेहरबान सिंह धाकड़, नपा नेता प्रतिपक्ष शेखर वशिष्ठ, पुर अध्यक्ष हरि विजय वर्गीय, वरिष्ठ कंग्रेस नेता रजनीश शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष द्वय गोपाल शर्मा, रणवीर कुशवाह, राजेन्द्र तिवारी, पंकज कनेरिया, अनुज रघुवंशी, जिनेन्द्र जैन, नपा पार्षदगण सहित अनेक कांग्रेस जन मौजूद रहे।

स्कैमः मेसर्स सहकार ग्लोबल की रेत खदान में हुई मौत साक्ष्य छिपाया, वाहन बदला, बीमा क्लेम को रची साजिश

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ

शहडोल, जिले में शुरूआती दिनों से ही एक दर्जन से अधिक जीएम की निगरानी वाली मेसर्स सहकार ग्लोबल कंपनी जो देश में टोल बैरियर कांट्रेक्टर टोल वसूली के लिए प्रख्यात है इस कंपनी के डायरेक्टर (आर्नर) किशोर अग्रवाल की शाख पे आज तलक कोई बट्टा लग नहीं पाया लेकिन इस कंपनी ने मध्यप्रदेश की ज़िम्मेदारी उत्तम शर्मा नामक व्यक्ति को दी, जिसके नेतृत्व में कंपनी ने जनवरी 2024 से ही बिना संबंधित विभाग से एनओसी/ सीटीओ इत्यादि के ही रेत खदान से खनन शुरू कर दिया, कहीं लठैत तो कहीं बंदूक के साए में पुश्तैनी आदिवासी किसानों के खेत मेढ इत्यादि काट कर सड़क बनाई, इस दौरान लीज सीमा, फ्लैग, बिना मुनारे किया जा रहा खनन सहकार की शाख धूमिल करता रहा, इसके बाद जो कंपनी के एमपी के पालनहार उत्तम ने जो खेल खेला उससे छूट पुट रेत चोरी करने वाले को शह देकर माफिया बना दिया, और छूट दी गई जिसके चलते यहां खुदा वहां खुदा जहां रेत नहीं खोदी गई वहां काम चल रहा है, और जिला प्रशासन की खुली आंखों में बड़ी सफाई से धूल झोंकी जा रही है। लेकिन इस छूट और निजी स्वार्थ को बना सिंडिकेट बैखौफ हो गया, जिसका खामियाजा पटवारी प्रसन्ना सिंह बघेल और एएसआई महेंद्र सिंह बागरी को गंवा कर उठाना पड़ा। दो परिवारों मे मातम छा गया है। लेकिन उत्तम तो सर्वोत्तम है।

मिला रेत का ठेका, खरीद लिया जिला.... एक तरफ ओवरलोडिंग को बढ़ावा दे कर खनिज राजस्व में सेंधमारी की खबरें भी आई, अब रेत खदान में हुई दुर्घटना को सड़क दुर्घटना में तब्दील कर दिया, महानगरों की तर्ज पर बेदम बढ़ रहा अपराध कहीं ना कहीं उत्तम के शातिर दिमाग की उपज है। तभी तो बुढ़वा, ब्यौहारी, चकरवाह, बोडडीहा रेत खदान में ताबड़तोड़ रेत खनन लीज सीमा से हटकर किया जा रहा है, इनमें से कुछ जगह तय लीज से कई किलोमीटर दूर रेत खनन कर प्रशासनिक अधिकारियों एवं प्रदेश के राजस्व को चूना लगाया जा रहा है। महानगर का नटवर लाल शहडोल में कायदे-कानून की खुलेआम धज्जियां उडा रहा है इनकी नज़र में मासूम बच्चों से स्वास्थ्य से भी कोई लेना देना नहीं तभी सेंटल एलाईसिस स्कूल के ठीक बगल में रेत का पहाड़ खड़ा कर दिया है। जिसको लेकर नागरिकों में आक्रोश है। लोगों का कहना है कि कंपनी ने उधम मचाकर रखा है जैसे पूरा जिला खरीद लिया है।

संक्षिप्त में जाने ऐसे हुई जालसाजी.... 20 जून को लुकामपुर रेत खदान में उत्खनन के दौरान ट्रक के नीचे दबने से नरेश बैगा पिता समय लाल 19 वर्ष निवासी सरईकापा व मो. फियाद 17 वर्ष को गंभीर चोट आई थी। वाहन मालिक विनोद सोनी हादसे की जानकारी लगते ही घटना स्थल पहुंचा और दोनों घायलों को अस्पताल ला रहा था, इसी दौरान विक्रमपुर के पास नरेश बैगा ने दम तोड़ दिया। वाहन चालक षडयंत्र पूर्वक शवको रास्ते में रख दिया और जिस वाहन का बीमा था उसे लाकर खड़ा कर पुलिस को सड़क हादसा होने की जानकारी दे दी। वहीं घायल मो. फियाद को निजी अस्पताल में भर्ती कराकर उचित इलाज व पैसों का प्रलोभन देकरकिसी को वास्तविक घटना के बारे में बताने से मना कर दिया। मृतक के परिजनों को भी गुमराह किया गया था। पुलिस ने मर्ग कायम कर जब जांच की तो पूरी हकीकत सामने आई ।

महानगरों की तर्ज, बढ़ता हादसा... गौरतलब हो कि जिले के ग्राम लुकामपुर रेत खदान में हुए हादसे का जब खुलासा हुआ देखने सुनने वाला हर कोई हक्का बक्का रह गया। बुढ़ार थाना क्षेत्र के लुकामपुर रेत खदान में 20 जून को हुए हादसे में नया मोड़ सामने आ गया है। वाहन मालिक ने बीमा क्लेम का लाभ लेने शव को विक्रमपुर में सड़क पर लिटाकर वाहन को बदल दिया, इतना ही नहीं वाहन में लाइसेंस धारी चालक को वाहन चलाना बता दिया। इस तरह वाहन मालिक ने साजिश के तहत घटना को सड़क हादसे का रूप देने का प्रयास किया। हालांकि पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए रेत ठेका कंपनी की करतूत को बेपर्दा कर दिया लेकिन इस मामले में केवल वाहन मालिक विनोद सोनी व वाहन चालक भोलू बैगा के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए दोनों वाहन जब्त कर लिए हैं। जबकि रेत खनन के दौरान हर घटनाक्रम की वन-टू-वन इन्फोर्मेशन एमपी जीएम बतौर उत्तम शर्मा को होती है इनकी सीडीआर खंगालने में सारी की सारी घटनाक्रम में संलिप्तता सामने आ सकती है हम आपको बता दें कि पटवारी और एएसआई मामले में परिजनो ने पुलिस एवं जिला प्रशासन की कार्यवाही से असंतुष्ट होकर हाईकोर्ट जबलपुर का रूख किया है।

प्रतिक्रिया..... वाहन मालिक साजिश के तहत लुकामपुर में हुई घटना को सड़क हादसे का रूप दिया। वाहन चालक का नाम भी गलत बताया था। पुलिस ने कहा पीएम रिपोर्ट आने के बाद इस घटना में शामिल सभी लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया जाएगा। **संजय जायसवाल, थाना प्रभारी थाना बुढ़ार, शहडोल**

सहायक विक्रेता पर कार्यवाही

सहायक विक्रेता लल्ला को भंमरहा प्रथम से किया पृथक

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ

शहडोल । ब्योहारी, लगातार भ्रष्टाचार की खबरें जन समस्याओं को उजागर करना जिम्मेदार अफसरों को जन हित में जनता की आवाज़ उठाने का काम सिटी चीफकर रहा है इसी क्रम में विगत दिनों शासकीय राशन जो गरीबो में वितरण किया जाना था उसमें गफलत किए जाने का मामला सामने आया था अब उस गोलमाल करने वाले उचित मूल्य दुकान भंमरहा प्रथम मे पदस्थ सहायक विक्रेता रामराखन पटेल उर्फ़ लल्ला को आज प्रबंधक सेवा सहकारी समिति मर्यादित देवगांव द्वारा कार्यवाही करते हुए आगामी आदेश (संभवत: जांच) तक के लिये वहा से हटा दिया गया है एवं आखेटपुर उचित मूल्य दुकान मे पदस्थ विक्रेता गुरुप्रसाद पटेल को आखेटपुर के साथ - साथ भंमरहा प्रथम का संचालन करने हेतु आदेशित किया गया है।

गौरतलब हो कि बीते 20 जून को ग्राम पंचायत भमरहा प्रथम मे संचालित उचित मूल्य दुकान के सहायक विक्रेता रामराखन पटेल द्वारा संगीता कोल को 25 रूपये

किलो चावल बेचा गया था। जिसकी शिकायत मिलने पर सहायक खादय अधिकारी द्वारा मौके से 5 बोरी चावल जब्त कराया गया। उक्त बात की जानकारी हमारे प्रतिनिधि को लगने पर उनके द्वारा उसे गंभीरता से लेते हुए उसका कवरेज किया गया और समाचार का प्रकाशन कराया गया, हालांकि मामले को गंभीरता पूर्वक लेते हुए सहायक खादय अधिकारी आर. के. ठाकुर द्वारा जांच कर लोगों से कथन लिये गये। जांच कथन पर अनियमितता पाये जाने के कारण सहायक विक्रेता रामराखन उर्फ़ लल्ला पटेल को आज सेवा सहकारी समिति मर्यादित देवगांव प्रबंधक द्वारा शिकायत के आधार पर वहा से हटा दिया गया है।

प्रतिक्रिया..... शिकायत के आधार पर समिति द्वारा सहायक विक्रेता रामराखन पटेल को वंहा से हटा दिया गया है। मेरे द्वारा अलग से उसकी जांच की जा रही है। कथन लिया गया है जिसमे अनियमितता किया जाना पाया गया है नोटिस जारी किया जायेगा जबाब से संतुष्ट न होने पर कार्यवाही की जायेगी। **आर. के. ठाकुर सहायक खादय अधिकारी ब्योहारी**

सेवा दिवस की तर्ज पर मनाया प्रदेश अध्यक्ष का जन्मदिन वृद्धाश्रम में किया पौधरोपण

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ शहडोल, वैश्य महासम्मेलन मध्यप्रदेश जिला इकाई शहडोल एवं महिला इकाई शहडोल द्वारा संगठन के प्रदेश अध्यक्ष उमाशंकर गुप्ता के जन्म दिवस को सेवा दिवस के रूप में मनाने का सामूहिक रूप से निर्णय लिया गया। इस तारतम्य में जिले के कल्याणपुर में स्थित वृद्ध आश्रम में रहने वाले वृद्धजनों के साथ मनाया गया, बुजुर्गो को दैनिक आवश्यकता उपयोगी सामग्री आश्रम को प्रदान की गई एवं बुजुर्गो के साथ स्वल्पाहार किया एवं रुद्राक्ष पेड़ एवं आम, जामुन, अमरूद, बेल, आंवला के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण में सहयोग किया गया। उक्त कार्यक्रम में प्रदेश के महामंत्री संभाग प्रभारी पदम खेमका, प्रदेश मंत्री, संभाग अध्यक्ष, प्रदेश की महामंत्री महिला इकाई एवं संभाग प्रभारी महिला इकाई, जिला इकाई अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, जिला कार्यकारी अध्यक्ष, संभागीय महामंत्री आशा खारिया, संभागीय महामंत्री, महिला इकाई जिला प्रभारी, महिला इकाई अध्यक्ष, महिला इकाई अध्यक्ष, संभाग महामंत्री जवाहरलाल, प्रदेश जिला प्रभारी, कसौधन समाज के प्रदेश अध्यक्ष ब्रजकिशोर गुप्ता एवं विशेष अत्तिथय रीवा संभाग के प्रभारी एवं प्रदेश महामंत्री हरिओम गुप्ता, धीरज अग्रवाल, कमल

कुमार गुप्ता तथा गणमान्य नागरिक के साथ महिला इकाई की मातृ शक्तियों द्वारा कार्यक्रम को गौरवान्वित करते हुए संपन्न किया गया।

होटलों की रसोई चेक कर साफ-सफाई कराएं सुनिश्चित, लगाए गए जुर्माने की राशि 30 जून तक करें वसूल : डीएम डा.दिनेश चन्द्र

पंजीकरण का लक्ष्य पूरा न करने वाले इंस्पेक्टरों का रोका जाएगा वेतन

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, जिलाधिकारी डा0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की जिला स्तरीय समिति की बैठक आहूत की गई। बैठक में जिलाधिकारी डा.दिनेश चन्द्र सिंह ने निर्देश दिए कि खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 तत्संबंधी नियमवाली 2011 के प्रावधानों के अंतर्गत आम जनमानस को सुरक्षित खाद्य एवं पेय पदार्थो की उपलब्धता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित कराई जाए। उन्होंने कहा कि होटलों की रसोई चेक कर साफ-सफाई सुनिश्चित कराएं। डीएम डॉक्टर दिनेश चंद्र ने कहा कि मिलावटी खाद्य सामग्री एवं पेय पदार्थो पर सर्विलांस एवं अभिसूचना आधारित प्रभावी प्रवर्तन कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। माननीय न्यायालय, न्याय निर्णायक अधिकारी, सहारनपुर एवं अपर मुख्य न्यायीक मजिस्ट्रेट प्रथम, सहारनपुर में लंबित वादों की प्रभावी पैरवी कर मामलों का निस्तारण किया जाए। जुर्माने की राशि को 30 जून तक वसूल किया जाए। खाद्य कारोबार करने के लिए खाद्य लाईसेंस, पंजीकरण अनिवार्य है इसलिए सभी खाद्य कारोबारकर्ताओं को लाईसेंस एवं पंजीकरण से आच्छादित किया जाए। पंजीकरण का लक्ष्य पूरा न करने वाले इंस्पेक्टरों का वेतन रोका जाएगा। खाद्य कारोबारकर्ता को खाद्य सुरक्षा अधिनियम के बारे में कैम्पों एवं नियमित निरीक्षणों के माध्यम से जागरूक किया जाए।जिलाधिकारी डा.दिनेश चन्द्र ने निर्देश दिए कि खाद्य कारोबारकर्ताओं एवं निर्माता को *fortified food (milk, oil, rice,aata, salt)* के बारे में जागरूक कर अनुपालन कराना सुनिश्चित करें। *Fssai* द्वारा निर्धारित प्रोग्राम ष्ठश्रद्ध *Apperatus* के माध्यम से *Re Used Cooking Oil* की मौके पर जांच की जाए। *Fssai* द्वारा निर्धारित प्रोग्राम *Ruco (Re used cooking oil)* कार्यक्रम के अंतर्गत खाद्य कारोबारकर्ता द्वारा तीन बार प्रयोग किये गये तेल के बचे अंश को बायोडीजल कम्पनी को देने के प्रावधान का क्रियान्वयन किया जाए। स्कूलों में बच्चों को सुरक्षित खाद्य एवं पेय पदार्थो के बारे में जानकारी देकर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन तथा मिड-डे-मील योजना के तहत बन रहे भोजन के सर्वे नमूना की कार्यवाही की जाए। पब्लिक डिस्ट्रिब्यूशन सिस्टम के तहत आई0सी0डी0एस0 द्वारा वितरित की जा रही खाद्य सामग्री का समय समय पर विभाग द्वारा सर्वे नमूना की कार्यवाही की जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर संजीव मांगलिक सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान में सभी विभाग निर्धारित उत्तरदायित्वों का अनुपालन करें सुनिश्चित :- डीएम डॉ. दिनेश चंद्र

01 जुलाई से शुरू होगा संचारी रोग नियंत्रण अभियान

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में संचारी रोगों पर नियंत्रण हेतु अंतर्विभागीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। डीएम डा.दिनेश चन्द्र ने बताया कि संचारी रोगों एवं दिमागी बुखार पर प्रभावी नियंत्रण हेतु 01 से 31 जुलाई तक विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं 11 से 31 जुलाई तक दस्तक अभियान चलाया जाएगा।जिलाधिकारी डा.दिनेश चन्द्र ने संबंधित सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि चिकित्सा सवास्थ्य एवं परिवार कल्याण, आईसीडीएस, ग्राम्य विकास एवं पंचायती राज विभाग, शिक्षा विभाग, नगर निगम, कृषि विभाग, पशुपालन विभाग, स्वच्छ भारत मिशन, संस्कृति विभाग, चिकित्सा शिक्षा विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के अंतर्विभागीय सहयोग द्वारा संचारी रोगों पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित कराया जाए। संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु कार्ययोजना बनाकर कार्य किया जाए। डीएम डा.दिनेश चन्द्र ने कहा कि नगरीय एवं देहाती क्षेत्रों में सफाई एवं जलभराव निस्तारण की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। लोगों की जागरूकता के लिए विभिन्न प्रकार की गतिविधियां इस प्रकार से संचालित की जाएं कि उनमें संचारी रोग नियंत्रण के प्रति समझ विकसित हो सके। उन्होंने शिक्षा विभाग को निर्देशित किया कि विद्यालयों में रोगों से बचाव और रोकथाम के लिए छात्र-

छात्राओं से संवाद स्थापित कर उन्हें समझाया जाए कि मलेरिया, चिकनगुनिया एवं अन्य वैक्टर वॉर्न डिजीज उनकी अनदेखी से ज्याया फैलती है। उन्होंने कहा कि सुअर बाड़ों को आबादी से दूर स्थापित कर व्यापक साफ-सफाई व्यवस्था की जाए। शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में झाड़ियों की कटाई कराई जाए। अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग एवं अन्य सहयोगी विभाग, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के माध्यम से घर-घर जाकर प्रचार-प्रसार के माध्यम से लोगों को बीमारी के बारे में समझाया जाए, जिससे संचारी रोगों से लोगों को ग्रसित होने से सुरक्षित रखा जा सके। डीएम डॉ0 दिनेश चंद्र ने कहा कि अभियान के तहत व्यापक जन जागरूकता चलाई जाए जिसमें प्रशिक्षित स्वास्थ्य कार्यकर्ता घर-घर जाकर बीमारियों के बचाव तथा उपचार के संबंध में जानकारी दें। जन सामान्य में अभियान के अधिकतम प्रभाव के लिए सभी गतिविधियों को व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जाए। समस्त सरकारी कार्यालयों में विभागाध्यक्ष, विद्यालयों में अध्यापक, नगरीय निकायों में कार्यकारी अधिकारी तथा ग्राम स्तर पर ग्राम विकास अधिकारी द्वारा पर्यावरणीय तथा व्यक्तिगत स्वच्छता एवं रोगों से बचाव हेतु सभी आवश्यक उपाय अपनाने हेतु जागरूक करें। जिलाधिकारी डा.दिनेश चन्द्र ने निर्देश दिए की शहरी क्षेत्रों एवं शहरी मलिन बस्तियों के संवेदनशील आबादी समूहों में अपनी गतिविधियों को केन्द्रित करें। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में एंटी लार्वा एक्टिविटी करने के साथ फॉगिंग कराई जाए। इसके साथ ही स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गयी हाई रिस्क क्षेत्रों में सघन वेक्टर नियंत्रण एवं संवेदीकरण गतिविधियां संपादित कराई जाए। नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में वातावरणीय एवं व्यक्तिगत स्वच्छता के उपायों, खुले में शौच न करने, शुद्ध पेयजल के प्रयोग तथा मच्छरों की रोकथाम हेतु जागरूकता अभियान संचालित किया जाए। अभियान की सफलता के लिए सभी विभागों द्वारा माइक्रो प्लान बनाकर कार्य किए जाएं। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर संजीव मांगलिक, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉक्टर अर्चना द्विवेदी, एसपी यातायात सिद्धार्थ वर्मा, पी डी डीआरडीए प्रणय कृष्ण, जिला मलेरिया अधिकारी शिवांका गौड़ सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

ट्रूडो को झटका, टोरंटो उपचुनाव में मिली हार, विपक्ष ने की तुरंत चुनाव की मांग

इंटरनेशनल डेस्क: कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को करारा झटका लगा है। लिबरल पार्टी को उपचुनाव में कंजर्वेटिव पार्टी से हार का सामना करना पड़ा है, जिसके बाद विपक्षी नेता पियरे पोलीवरे ने तत्काल चुनाव की मांग की। बेहद कड़े मुकाबले में कंजर्वेटिव उम्मीदवार डॉन स्टीवर्ट ने लिबरल पार्टी के लेस्ली चर्च को 590 वोटों से हराकर लिबरल पार्टी के गढ़ टोरंटो-सेंट पॉल में जीत हासिल की। इस मुकाबले में न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी के भारतीय मूल के उम्मीदवार अमृत परहार भी शामिल थे। टोरंटो-सेंट पॉल टोरंटो, ओंटारियो प्रांत का एक जिला है। लिबरल पार्टी ने 1993 से टोरंटो-सेंट पॉल पर कब्ज़ा कर रखा था। यह हाउस ऑफ कॉमन्स की 338 सीटों में से एक है। कनाडाई मीडिया ने टिप्पणी की कि चर्च पर स्टीवर्ट की जीत चौंकाने वाली है क्योंकि यह सीट 30 से अधिक वर्षों से लिबरल के पास है। सोमवार से पहले, यह सीट लगातार 10 चुनावों तक लिबरल के पास थी। पूर्व सांसद कैरोलिन बेनेट - जिनकी डेनमार्क में राजदूत के रूप में नियुक्ति ने उपचुनाव को गति दी - 25 से अधिक वर्षों तक स्थानीय प्रतिनिधि थीं। स्टीवर्ट ने एक्स पर पोस्ट किया, धन्यवाद, टोरंटो-सेंट पॉल! आपने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उसके लिए मैं बहुत आभारी हूँ और मैं इसे कभी हल्के में नहीं लूँगा। मैं संसद भवन में आपकी आवाज़ बनने का वादा करता हूँ। उनकी प्रतिद्वंद्वी चर्च ने चुनाव हारने के बाद अपनी टिप्पणी में कहा कि लिबरल के पास अगले चुनाव तक 16 महीने हैं। मैं सेंट पॉल में लिबरल उम्मीदवार बनने की योजना बना रही हूँ। हम मतदाताओं का विश्वास वापस जीतने के लिए काम करना शुरू कर रहे हैं..., उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, डॉन स्टीवर्ट को एक अच्छे अभियान के लिए बधाई। हम फिर से होने वाले मुक़ाबले का इंतज़ार कर रहे हैं। शुरुआती नजीतों के अनुसार, स्टीवर्ट ने 42.1 प्रतिशत वोट जीते, जिसमें उनके पक्ष में 15,555 वोट पड़े, जबकि चर्च को 40.5 प्रतिशत वोट मिले, जिसमें उनके पक्ष में 14,965 मत पड़े। एनडीपी उम्मीदवार परहर 10.9 प्रतिशत वोटों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। ग्रीन पार्टी के लिए चुनाव लड़ने वाले क्रिश्चियन कुलिस को 2.9 प्रतिशत वोट मिले। ग्लोबल न्यूज़ की रिपोर्ट के अनुसार, ऐतिहासिक गढ़ को खोने से प्रधानमंत्री ट्रूडो पर दबाव बढ़ने की संभावना है। सीबीसी न्यूज ने टिप्पणी की, इस तरह के गढ़ में लिबरल्स का खराब प्रदर्शन ट्रूडो के लिए कुछ आत्म-मंथन को प्रेरित कर सकता है, जिन्होंने मुद्रास्फीति, जीवन-यापन

संकट, उच्च घरेलू कीमतों और बढ़ते आव्रजन स्तरों के कारण मतदाताओं में असंतोष के कारण अपनी लोकप्रियता में गिरावट देखी है। इस कंजर्वेटिव अपसेट से लिबरल कॉकस में कुछ चिंता पैदा होने की संभावना है क्योंकि इस तरह के नाटकीय वोट स्विंग से अगले आम चुनाव में कंजर्वेटिव के लिए अन्य कथित सुरक्षित सीटें खेल में आ सकती हैं, जो 2025 में होने की उम्मीद है। कंजर्वेटिव नेता पोलीवरे ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर चौंकाने वाले अपसेट के रूप में वर्णित किए जाने के बाद प्रधान मंत्री ट्रूडो से एक त्वरित चुनाव की मांग की। पोलीवरे ने एक्स पर लिखा, यह फैसला है, ट्रूडो इस तरह से नहीं चल सकते। उन्हें अब कार्बन टैक्स चुनाव की घोषणा करनी चाहिए। टोरंटो-सेंट पॉल के मतदाताओं ने पूरे अभियान के दौरान सीबीसी न्यूज को बताया कि आवास संकट, मुद्रास्फीति और इज़राइल-हमास संघर्ष से निपटने में सरकार का रवैया दुखद था। लेकिन यह सिर्फ़ मुद्दों के बारे में नहीं था- कई मतदाताओं ने बदलाव की इच्छा और ट्रूडो से ऊब व्यक्त की। यहां तक कि लिबरल पार्टी के भूतपूर्व और वर्तमान समर्थकों ने CBC न्यूज़ से कहा कि अगर पार्टी इस एक बार की रूबी-रेड लिबरल सीट हार जाती है, तो ट्रूडो को नेता के पद से इस्तीफ़ा दे देना चाहिए। पिछले साल सितंबर में कनाडा में एक सिख अलगाववादी की हत्या में भारतीय एजेंटों की संभावित संलिप्तता के आरोपों के कारण ओटावा के नई दिल्ली के साथ संबंधों में गंभीर तनाव पैदा हो गया था, ट्रूडो ने इस बात का कोई संकेत नहीं दिया है कि वे पद छोड़ रहे हैं। 52 वर्षीय प्रधानमंत्री ने बार-बार कहा है कि वे अगले साल होने वाले संघीय चुनाव में लिबरल पार्टी का नेतृत्व करेंगे। इस बीच, राष्ट्रीय सर्वेक्षण से पता चलता है कि ट्रूडो की लिबरल पार्टी समर्थन हासिल करने और उसे बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रही है, जबकि कंजर्वेटिव समर्थन बढ़ रहा है। ग्लोबल न्यूज़ के लिए इप्सोस द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण से पता चलता है कि ट्रूडो की घटती लोकप्रियता लिबरल्स की किस्मत को नीचे खींच रही है। अधिकांश मतदाता (68 प्रतिशत) चाहते हैं कि वे पद छोड़ दें, इप्सोस के सीईओ डेरेल ब्रिकर ने संख्याओं को बहुत कम बताया, जबकि 45 वर्षीय कंजर्वेटिव नेता पोलीवरे की स्थिति मजबूत हो रही है। इस सर्वेक्षण में कंजर्वेटिवों को 42 प्रतिशत वोट मिले, जबकि लिबरल्स को 24 प्रतिशत। लगभग आधे - 44 प्रतिशत - ने कहा कि उन्हें लगता है कि कंजर्वेटिव नेता पोलीवरे सबसे अच्छे प्रधानमंत्री साबित होंगे, जबकि 75 प्रतिशत कनाडाई चाहते हैं कि कोई अन्य पार्टी लिबरल्स से सरकार ले ले। ग्लोबल न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, केवल 25 प्रतिशत लोगों को लगता है कि लिबरल्स पुन: चुनाव के हकदार हैं।

लास वेगास में गोलीबारी में 5 की मौत

13 साल की बच्ची घायल संदिग्ध ने की आत्महत्या

नेशनल डेस्क- लास वेगास के दो अपार्टमेंटों में एक व्यक्ति द्वारा की गई गोलीबारी में पांच लोगों की मौत हो गई और एक 13 वर्षीय बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस द्वारा संदिग्ध की पहचान 47 वर्षीय एरिक एडम्स के रूप में की गई, जब अधिकारियों ने उसका सामना किया तो उसने मंगलवार सुबह अपनी बंदूक से आत्महत्या कर ली।

एक बयान में, पुलिस ने कहा कि सूचना पर कार्रवाई कर रहे अधिकारियों ने एडम्स को मंगलवार की सुबह एक स्थानीय व्यवसाय में पाया। विरोध किए जाने पर बंदूक से लैस वह व्यक्ति पास के एक घर के पिछले दरवाजे में भाग गया। पुलिस के बयान में कहा गया है कि पुलिस अधिकारियों ने एरिक एडम्स को बंदूक छोड़ने का आदेश दिया, लेकिन उसने उन पर ध्यान नहीं दिया और आत्महत्या करके मर गया।

47 वर्षीय व्यक्ति पर सोमवार देर रात एक ही परिसर में स्थित उत्तरी लास वेगास के दो अपार्टमेंटों में चार महिलाओं और एक पुरुष की गोली मारकर हत्या करने का संदेह है। 13 साल की एक लड़की को भी गोली मार दी गई और उसकी हालत गंभीर है।

ब्रिटिश PM के घर में अवैध तरीके से घुसने पर 4 लोग गिरफ्तार

इंटरनेशनल डेस्क: ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के उत्तरी इंग्लैंड स्थित आवासीय परिसर में अवैध तरीके से घुसने पर मंगलवार को चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी।

नॉर्थ यॉर्कशायर पुलिस ने बताया कि दोपहर बाद उन्हें हिरासत में लेकर परिसर से बाहर कर दिया गया। पुलिस ने सभी को गिरफ्तार कर लिया गया है। 'यूथ डिमांड नाम के एक समूह ने वीडियो साझा किया जिसमें उसका एक सदस्य सुनक के आवासीय परिसर पर तालाब के पास दिखाई दे रहा है। यह घटना ब्रिटेन के आम चुनाव से ठीक एक सप्ताह पहले हुई है।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की सरकार ने सिख विवाह अधिनियम 2024 को दी मंजूरी

लाहौर: पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की सरकार ने मंगलवार को सिख विवाह अधिनियम 2024 को मंजूरी दे दी, जिससे समुदाय के 18 वर्ष और उससे अधिक आयु के जोड़े अपने विवाह और तलाक का पंजीकरण कराने में सक्षम होंगे। प्रांतीय मंत्रिमंडल ने मंगलवार को मुख्यमंत्री मरयम नवाज की अध्यक्षता में हुई बैठक के दौरान पंजाब सिख आनंद कारज विवाह रजिस्ट्रार और विवाह नियम 2024 को मंजूरी दे दी। पंजाब के पहले सिख अल्पसंख्यक एवं मानवाधिकार मंत्री सरदार रमेश सिंह अरोड़ा ने इसे सिखों के लिए ऐतिहासिक दिन बताया। अरोड़ा ने मीडिया से कहा, ''आज पंजाब सिख विवाह अधिनियम लागू करने वाला दुनिया का पहला प्रांत बन गया है।%% उन्होंने कहा कि अन्य प्रांतों और देशों से सिख अपनी शादियों का पंजीकरण करवाने के लिए पंजाब आ सकते हैं। अरोड़ा ने

कहा कि कुछ महीनों में हिंदू विवाह अधिनियम भी मंत्रिमंडल की मंजूरी के लिए पेश किया जाएगा। अरोड़ा ने कहा कि वह 2017 से सिख अधिनियम को मंजूरी दिलाने का प्रयास कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार भी स्कूली पाठ्यक्रम से नफरत फैलाने वाली सामग्री को हटाने और उसकी जगह अंतरधार्मिक सद्भाव और विविधतापूर्ण सामग्री को शामिल कराने के लिए काम कर रही है। सिख विवाह अधिनियम के तहत सिख लड़के और लड़की की आयु कम से कम 18 वर्ष होनी चाहिए, जबकि पांच सदस्यीय संगत वर और वधू के बीच किसी भी मुद्दे पर सिफारिशें करेगी।

पाकिस्तान में भीषण गर्मी का कहर, कराची में लू के कारण 20 लोगों की मौत

कराची: भीषण गर्मी से त्रस्त पाकिस्तान के सबसे बड़े शहर कराची में पिछले 48 घंटे की अवधि में कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई है और कई अन्य तापघात से जूझ रहे हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। राहत सेवा के अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को कराची और अन्य स्थानों की सड़कों पर 10 और शव बरामद किए गए। इससे एक दिन पहले सोमवार को भी 10 शवों का पोस्टमार्टम कराया गया था। अधिकारियों ने बताया कि संभवत: सभी की मौत भीषण गर्मी के कारण हुई है क्योंकि तापमान 40

डिग्री सेल्सियस से अधिक पहुंच गया है। राहत सेवा और स्वास्थ्य अधिकारियों ने पुष्टि की कि शवों पर कोई चोट के निशान नहीं थे।

पुलिस सर्जन सुम्मैया सैयद ने कहा, ''अधिकांश शव फुटपाथ या सड़कों के किनारे रहने वाले नशाखोरों के हैं और जाहिर तौर पर शहर में अत्यधिक गर्मी के कारण उनकी मौत हुई है।

सास का आया बहू पर दिल, जबरन शारीरिक संबंध बनाने का आरोप, पुलिस ने दर्ज किया केस

नेशनल डेस्क- उत्तर प्रदेश के आगरा में एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है, जहां एक सास पर अपनी बहू के साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाने का आरोप लगाया गया है। इस मामले की शिकायत मिलने के बाद जगदीशपुर थाने में केस दर्ज किया गया है। पीड़ित महिला ने अपनी शिकायत में बताया कि उसकी शादी 2022 में गाजीपुर में हुई थी। शादी के बाद से ही उसे विभिन्न प्रकार की प्रताड़नाओं का सामना करना पड़ा। महिला का आरोप है कि उसकी सास ने शारीरिक संबंध बनाने के लिए उस पर दबाव डाला और मना करने पर

ब्लेड से हमला किया, जिससे उसके हाथ कट गए। महिला ने अपनी नंद पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उसने कहा कि नंद ने उसके सारे कपड़े छीन लिए, जिससे उसे एक ही ड्रेस में लगभग एक महीने तक रहना पड़ा और इस दौरान उसे घर के एक कमरे में बंद रखा गया। महिला का यह भी कहना है कि ससुराल में उससे दहेज की मांग की जाती थी और उसे मानसिक एवं शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था। साल 2023 में उसके एक बेटा हुआ, लेकिन पति ने उसे नाजायज मानते हुए उसके साथ बुरी तरह मारपीट की और घर से निकाल दिया। पड़ोसियों के हस्तक्षेप के बाद उसे दोबारा घर में रहने की अनुमति मिली। महिला के पिता साल 2023 में मिलने पहुंचे तो वह पिता के साथ मायके चली गई। कुछ समय बाद ससुराल वालों ने समझौते के लिए महिला और उसके पिता को बुलाया। बातचीत के दौरान धक्कामुक्की हुई, जिससे वे वापस लौट आए।

भारतीय शोधकर्ता शिशिर ढोलकिया ने खोजा पृथ्वी के आकार का नया ग्रह

इंटरनेशनल डेस्क: भारतीय शोधकर्ता ने जीवन की प्रबल संभावना वाला पृथ्वी के आकार का नया ग्रह खोजने का दावा किया है । खगोलविदों व शोधकर्ता शिशिर ढोलकिया ने संभावित रूप से रहने योग्य बाह्यग्रह, ग्लीज़ 12 बी की खोज की है, जो मीन राशि के नक्षत्र में 40 प्रकाश वर्ष दूर स्थित है। रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी में प्रकाशित एक नए शोधपत्र में विस्तृत रूप से दी गई इस खोज ने वैज्ञानिकों को सौर मंडल से परे जीवन की संभावना के बारे में उत्साहित कर दिया है। शोध पत्र के अनुसार, ग्लीज़ 12 बी पृथ्वी से थोड़ा छोटा है और आकार में शुक्र के समान है। 107 डिग्री फ़ारेनहाइट (42 डिग्री सेल्सियस) के अनुमानित सतही तापमान के साथ, यह पृथ्वी के औसत से ज़्यादा गर्म है लेकिन कई अन्य ग्रहों की तुलना में ठंडा है। यह तापमान सीमा ग्रह की सतह पर तरल पानी के मौजूद होने की संभावना को बढ़ाती है, जो कि जीवन के लिए एक महत्वपूर्ण घटक है जैसा कि हम जानते हैं। ऑस्ट्रेलिया के दक्षिणी क्वींसलैंड विश्वविद्यालय के खगोल भौतिकी केंद्र के डॉक्टरेट छात्र शिशिर ढोलकिया के अनुसार ग्लिसे 12 बी इस बात का अध्ययन करने के लिए सबसे अच्छे लक्ष्यों में से एक है कि क्या ठंडे तारों की परिक्रमा करने वाले पृथ्वी के आकार के ग्रह अपने वायुमंडल को बनाए रख सकते हैं, जो हमारी आकाशगंगा में ग्रहों पर रहने की क्षमता के बारे में हमारी समझ को आगे बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। ढोलकिया ने एडिनबर्ग विश्वविद्यालय और यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन की डॉक्टरेट छात्रा लारिसा पैलेथोर्प के साथ मिलकर इस खोज को अंजाम देने वाली शोध टीम का नेतृत्व किया। हालांकि, बड़ा सवाल यह है कि क्या ग्लीज़ 12 बी में वायुमंडल है? इस ग्रह पर पृथ्वी जैसा वायुमंडल हो सकता है, जो इसे जीवन के लिए संभावित आश्रय बनाता है। लेकिन इसमें शुक्र की तरह झुलसाने वाला वायुमंडल भी हो सकता है, या फिर वायुमंडल हो ही नहीं सकता। एक पूरी तरह से अलग तरह के वायुमंडल की संभावना भी सामने आ रही है। ढोलकिया ने बताया कि इस बाह्यग्रह का मेजबान तारा हमारे सूर्य के आकार का लगभग 27 प्रतिशत है तथा इसकी सतह का तापमान हमारे अपने तारे के तापमान का लगभग 60 प्रतिशत है। हालांकि, ग्लीज़ 12 और नए ग्रह के बीच की दूरी पृथ्वी और सूर्य के बीच की दूरी का

सिर्फ़ 7 प्रतिशत है। इसलिए ग्लीज़ 12 बी को अपने तारे से पृथ्वी की तुलना में सूर्य से 1.6 गुना ज़्यादा ऊर्जा मिलती है और शुक्र की तुलना में लगभग 85 प्रतिशत ज़्यादा ऊर्जा मिलती है। सौर विकिरण में यह अंतर महत्वपूर्ण है क्योंकि इसका मतलब है कि ग्रह की सतह का तापमान इसकी वायुमंडलीय स्थितियों पर अत्यधिक निर्भर है। ग्लीज़ 12 बी के अनुमानित सतही तापमान 42एष्ट (107एस्र) की तुलना में, पृथ्वी का औसत सतही तापमान 15एष्ट (59एस्र) है। ढोलकिया के अनुसार वायुमंडल ऊष्मा को अपने अंदर समाहित कर लेता है और - प्रकार के आधार पर - वास्तविक सतह के तापमान को काफी हद तक बदल सकता है। हम ग्रह के %संतुलन तापमान% का हवाला दे रहे हैं, जो ग्रह का वह तापमान है जो वायुमंडल के बिना ग्रह पर होता। इस ग्रह का वैज्ञानिक महत्व यह समझना है कि इसका वायुमंडल किस प्रकार का हो सकता है। चूंकि ग्लीज़ 12 बी पृथ्वी और शुक्र को सूर्य से मिलने वाले प्रकाश की मात्रा के बीच में आता है, इसलिए यह हमारे सौर मंडल में इन दो ग्रहों के बीच की खाई को पाटने के लिए मूल्यवान होगा। पैलेथोर्प ने आगे कहा- ऐसा माना जाता है कि पृथ्वी और शुक्र के वायुमंडल को पहले नष्ट कर दिया गया था और फिर ज्वालामुखी से निकली गैसों और सौर मंडल में अवशिष्ट पदार्थों की बमबारी से इसकी भरपाई की गई थी।पृथ्वी पर जीवन संभव है, लेकिन शुक्र पर पानी पूरी तरह खत्म हो जाने के कारण यह रहने योग्य नहीं है। चूंकि ग्लीज़ 12 बी तापमान के मामले में पृथ्वी और शुक्र के बीच है, इसलिए इसका वायुमंडल हमें ग्रहों के विकास के दौरान उनके रहने योग्य होने के बारे में बहुत कुछ सिखा सकता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569